तापमान
अधिकतम 35 .6 डिग्री
न्यूनतम 21.7 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 21 अप्रैल 2024

12 रंगारंग कार्यक्रमों में छात्राओं ने मचाई धूम

12 चुनाव पर नारा लेखन में दिखाया हुनर

खबर संक्षेप

चुलकाना धाम को बस रवाना

पानीपत। बाबा श्याम सेवा समिति द्वारा प्राचीन श्री देवी मन्दिर से चुलकाना धाम के लिए बाबा श्याम के दर्शन के लिए बस रवाना की गई। जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा पत्रकार संघ के अध्यक्ष विनोद पांचाल एवं ऊंची दुनिया सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष मोहन लाल पत्रकार व बाबा श्याम सेवा समिति के सदस्य ने नारियल फोडकर बस रवाना की। इस अवसर पर धर्मेंद्र इंसा, गोबिंद सैनी, अजय ठाकुर, राजिन्द्र, दिनेश मित्तल, ललित मित्तल, बाबा श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष पवन कंसल आदि उपस्थित रहे।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में आरोपी सचिन को पुलिस ने अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है।अब उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अवैध हथियार लेकर रोटरी अस्पताल नजदीक दशहरा ग्राउंड जल घर के पास खडा है। इसी आधार पर पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उससे अवैध देसी पस्तौल व 2 जिंदा रौंद बरामद किए।

हेरोइन तस्करी में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना साहा क्षेत्र टी-प्वाइंट से पुलिस ने आरोपी मोहित को पन्नी सहित 12-75 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसे रिमांड पर लिया गया। आरोपी ने बतलाया कि बिहटा का रोहित कुमार भी उसके साथ इस कारोबार में संलप्ति है। अब पुलिस ने आरोपी रोहित कुमार को भी गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया गया है।

करनाल से खिलेंगे दो कमल, एक जाएगा दिल्ली, एक जाएगा चंडीगढ़ : नायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ओलावृष्टि से किसानों की जो फसल खराब हुई है उसके क्ष ति पू र्ति पोर्टल खोलने के आदेश दिए गए थे। फसल खराब का दौरा करने के लिए अ धि का रि यों को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

■ किसानों की खराब फसल को लेकर कहा : किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है सरकार

■ पिछले 10 वर्षो से जिस तरह निरंतर देश और प्रदेश का विकास हो रहा है वह जारी रहेगा

करनाल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल में अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खडी है।

नायब सिंह सैनी करनाल में अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने लोकसभा व विधानसभा उप चुनाव को लेकर कहा कि करनाल से दो कमल के फूल खिलेंगे जिनमें से एक फूल मनोहर लाल दिल्ली लेकर जाएंगे और एक कमल का फूल चंडीगढ जाएगा। जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर पूरा विश्वास करती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षो से जिस तरह निरंतर देश और प्रदेश का विकास हो रहा है वह जारी रहेगा। भाजपा सरकार में विकास की गति नहीं रूकेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश की सेवा की अब सांसद बनकर भी वह जनता की सेवा करेंगे।

पत्रकारों के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चुनाव में कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता का पूरा समर्थन है। तीसरी बार भी मोदी जी को ही प्रधानमंत्री बनेंगे।

जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही सरकार : सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं करनाल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता को सुविधा देना सरकार का दायित्व है।

■ मुख्यमंत्री ने करनाल में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की

सरकार लगातार जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को करनाल के सेक्टर-8 में गौरव खुराना की ओर से आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके अलावा वे भाजपा कार्यकर्ता गोविंद शर्मा व नरेंद्र बाम्बा के निवास पर भी पहुंचे। उन्होंने आगामी लोकसभा व करनाल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मौके पर जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, निवर्तमान मेयर रेनू बाला गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता जगमोहन आनंद, संजय बठला, महामंत्री सुनील गोयल, राजबीर शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, पूर्व पार्षद वीर विक्रम सहित अन्य मौजूद रहे।

करनाल के सेक्टर-8 में आयोजित जनसभा में मंच पर मुख्यमंत्री नायब सैनी व अन्य।

साइबर ठग ने महिला के खाते से निकाले 1. 41 लाख

खुद को बैंक कर्मी बताकर की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

क्रेडिट कार्ड एक्टिवेट करने के नाम पर साइबर ठग ने खुद को बैंक कर्मी बताकर चोपड़ा गार्डन निवासी शिनाक्षी अरोड़ा के खाते से एक लाख 41 हजार रुपये निकाल लिए। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ -साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात पर किया केस दर्ज

जानकारी के अनुसार चोपड़ा गार्डन शिनाक्षी अरोड़ा ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 फरवरी को उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि वह एक्सिस बैंक से बोल रहा है। आरोपी ने उसे कहा कि उसका क्रेडिट कार्ड एक्टिवेट होना है। यह बात कहकर आरोपी ने उसे अपने विश्वास में ले लिया। इसके बाद आरोपी ने उसके मोबाइल पर ओटीपी भेजा। बैंक कर्मी होने के विश्वास में उसने आरोपी को ओटीपी बता दिया। जैसे ही उसने आरोपी को ओटीपी बताया उसके क्रेडिट कार्ड से चार बार में एक लाख 41 हजार रुपये निकल गए। इसका पता चलते ही उसने आरोपी के नंबर पर फोन किया, लेकिन उसका नंबर बंद आया। जिसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ।

उसके खाते से आईडीएफसी बैंक के एक खाते में रुपये गए

उसने बैंक जाकर जांच कराई तो पता चला कि उसके खाते से रुपये आईडीएफसी बैंक के एक खाते में गए है। उसने इसकी शिकायत पुलिस को दी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

चौथे दिन भी शंभू रेलवे स्टेशन ट्रैक पर जमे रहे किसान, 54 ट्रेनें रद्द

सहयोगी किसानों को रिहा करने की मांग कर रहे हैं किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

शंभू रेलवे स्टेशन पर किसानों के धरने निरंतर जारी है। शनिवार को भी अंबाला कैंट से पंजाब और ज म्मू - क श्मी र जाने वाला रेलवे ट्रैक पूरी तरह से जाम है। ट्रैक जाम होने के का र ण दल्ली और उत्तर प्रदेश की तरफ से हरियाणा होते हुए पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाली सभी ट्रेनें प्रभावित हैं। रेलवे ने किसान आंदोलन के चलते शनिवार को भी 54 ट्रेन कैंसिल करनी पड़ी। रेलवे ने इनकी लस्टि भी जारी की है। ट्रेन कैंसिल होने से यात्रियों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने जेल में बंद किसानों की रिहाई को लेकर 22 अप्रैल को जींद में मीटिंग करके बड़ा ऐलान करने को कहा है।

■ ट्रेन कैंसिल होने से यात्रियों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है

■ धरनारत किसान बोले सरकार ने रिहाई नहीं की तो वे ट्रैक पर उतर आए

रेलवे ट्रैक पर बैठे किसान। फोटो : हरिभूमि

13 फरवरी से लगातार धरना दे रहे

बता दें कि किसान हरियाणा और पंजाब के खनौरी व शंभू बॉर्डर पर 13 फरवरी से लगातार धरना दे रहे हैं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है। सबसे बड़ी बेरोजगारी की मार है। खेती सेक्टर को कॉर्पोरेट को दिया जा रहा है। देश के लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है। देश के किसानों को राजधानी में जाने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार किसानों को तुरंत मुआवजा जारी करे। कहा कि किसानों का बड़ा जत्था आज व्यास की तरफ गेहूं की कटाई के लिए रवाना होगा। किसान सरकार से युवा नेता नवदीप सिंह जलबेड़ा समेत 3 किसानों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में पहले उनकी हरियाणा और पंजाब सरकार से मीटिंग हुई थी, जिसके बाद रिहाई का भरोसा मिला था। जिसके बाद किसानों ने सरकार को 16 अप्रैल तक का समय दिया था। सरकार ने रिहाई नहीं की तो वे ट्रैक पर उतर आए।

इसके अलावा, किसानों ने पंजाब के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ का चैलेंज कबूल करते हुए 23 अप्रैल को किसान भवन चंडीगढ़ में भाजपा नेताओं का इंतजार करने को कहा है।

शोध नैतिक मूल्य आधारित और पक्षपात रहित होना चाहिए

थानेसर। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता रिसर्च विभाग द्वारा शनिवार को चिकित्सा अनुसंधान में आईईसी (संस्थागत आचार समिति) की भूमिका और जिम्मेदारी पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. रबिनारायण आचार्य रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने की। रिसर्च विभाग के अधिष्ठाता डॉ. आशीष मेहता ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. रबिनारायण ने अपने संबोधन में कहा कि आईईसी की प्रमुख जिम्मेदारी अनुसंधान प्रतिभागियों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा करना है। आईईसी अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए नियमित बैठक आयोजित करता है इसके साथ ही जांचकताअरं को सुझाव देता है कि वे उन्हें अनुमोदित करने से पहले इस बात की जांच जरूर करें की प्रस्तावित शोध विषय नैतिक मूल्यों पर आधारित है या नहीं।

गीता विद्यालय में मनाई महावीर जयंती

थानेसर। श्रीमद्भागवद गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में महावीर जयंती के बारे में विद्यालय के कंप्यूटर आचार्य वीरेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्रों को बताया कि महावीर जयंती जैन धर्म द्वारा 21 अप्रैल को मनाई जाएगी। वर्धमान महावीर के जन्म के अवसर पर इसका आयोजन किया जाता है। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वे तीर्थंकर थे। उनका जन्म बिहार के वैशाली जिले के कुंड ग्राम में शुक्ल पक्ष में हुआ। महावीर जयंती को जैन संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार यह चैत्र मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को यह त्यौहार मनाया जाता है।

हत्या मामले में पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव खारवन निवासी ऑटो चालक कृष्णा की हत्या के मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने घर में पहले लूट की वारदात को अंजाम दिया। जब कृष्णा करवट लेने लगा तो आरोपियों को लगा कि वह जाग गया है। इस दौ रा न आरोपियों ने उसकी सर पर पावा से वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है।

■ पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डीएसपी कमलजीत ने बताया कि कृष्ण की मौत के मामले में स्पेशल सेल टीम का गठन किया गया था। सेल के इंचार्ज राजेश राणा ने सूचना मिली थी कि गांव खारवन मोड छछरौली के पास दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे हैं। इस सूचना के आधार पर मुख्य सिपाही राजू राणा, आजाद सिंह, कृष्ण, कुलदीप, विपिन, धर्मवीर का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर वहां घूम रहे दोनों युवको को काबू किया। पूछताछ पर जिनकी पहचान गांव बलौली निवासी रजत उर्फ बछडा व खारवन निवासी खेमचंद उर्फ डागर उर्फ सोनू के नाम से हुई। आरोपियों ने खारवन गांव में लूट के बाद हत्या के मामले का खुलासा किया। आरोपियों ने बताया कि वह दोनों कृष्णा के घर में दाखिल हो हुए और घर के दरवाजे के ताले तोड़कर लूटपाट करने लगे। इस दौरान कृष्णा करवट लेने लगा तो उन्हें लगा कि वह जाग गया है। जिसके बाद आरोपी डागर ने चारपाई का पावा उठाकर उसके सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। उसके बाद घर के ताले तोड़कर वहां से कैश, मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से घर से लूटे गए पैसे व सामान बरामद किया जाएगा।

यमुनानगर पुलिस द्वारा हत्या व लूट के मामले में पकड़े गए आरोपी।

जेल में हुई थी दोनों आरोपियों की दोस्ती

डीएसपी कवलजीत ने बताया कि आरोपी रजत पर पहले लूट, स्नैचिंग व चोरी के 10 मामले दर्ज हैं। वहीं आरोपी खेमचंद पर पहले चोरी के पांच मामले दर्ज हैं। दोनों ही आरोपियों की दोस्ती जेल में हुई थी। दोनों आरोपी जमानत पर बाहर आए और यह दोस्ती कायम रखी। उसके बाद खारवन में लूट के बाद हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

ये था मामला

गांव खारवन निवासी 61 वर्षीय कृष्णा ऑटो चलाने का काम करता था। 2012 में उसकी पत्नी की मौत होने के बाद वह घर पर अकेला रहता था। 19 अप्रैल को वह अपने घर पर आकर सो गया। सुबह उसके भाई ने कृष्णा का शव चारपाई पर पड़ा मिला। उसके सिर पर चोट के निशान थे और खून बह रहा था। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या व लूट का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी।

बाइक सवार युवकों ने स्टाफ नर्स से झपटा पर्स

यमुनानगर। अस्पताल से छुट्टी कर घर जा रही स्टाफ नर्स से बाइक सवार दो युवकों ने पर्स झपट लिया। पर्स में दो हजार रूपये, मोबाइल व दस्तावेज थे। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना छप्पर क्षेत्र के गांव रजपुरा निवासी चरणजीत कौर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह विग्नेश अस्पताल में स्टाफ नर्स की नौकरी करती है । रात आठ बजे वह अस्पताल से छुट्टी कर अपनी एक्टिवा पर घर जा रही थी। जब वह गांव खुंडेवाला के पास पहुंची तो बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। जब तक वह कुछ समझ पाती आरोपी युवकों ने उसके पास से पर्स झपट लिया और मौके से भाग गए। उसने आरोपियों का पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया मगर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए। उसने बताया कि उसके पर्स में दो हजार रूपये, मोबाइल व उसके जरूरी दस्तावेज थे। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी।

पानीपत शुगर मिल ने 63 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की

5.73 लाख क्विंटल चीनी का हुआ उत्पादन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के गांव डाहर स्थित पानीपत सहकारी शुगर मिल का दूसरा पेराई संपन्न हो गया है। करीब पांच माह तक चले इस पेराई सत्र में शुगर मिल ने करीब 63 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की है। वहीं अपनी टरबाइन से करीब सवा चार करोड़ बिजली का उत्पादन भी किया है। मिल में चीनी उत्पादन की बात करें तो इस बार मिल ने 5.73 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया। जिसे बिजली निगम को सवा चार रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बेचा जा रहा है। वहीं शुगर मिल के अधिकारियों ने बताया कि शुगर मिल का ये दूसरा पेराई सत्र नवंबर 2023 को शुरू हुआ था, जो अप्रैल 2024 तक चालू रहा। करीब 147 दिनों तक चलने के बाद मिल का पेराई सत्र संपन्न किया जा रहा है। मशीनों को बंद करने से 24 घंटे पहले एक बार बंद कर रिस्टार्ट किया जाता है। मिल के आंकड़ों की बात करें तो 15 अप्रैल तक मिल में 573725 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया गया। इस हिसाब से मिल में चीनी की रिकवरी का रेट 9.31 प्रतिशत रहा। जबकि पिछले साल चीनी का उत्पादन 603225 क्विंटल रहा था। पिछले साल चीनी की रिकवरी प्रतिशत 9.56 प्रतिशत था।

■ चीनी का रिकवरी रेट 9.31 प्रतिशत रहा, 4.25 करोड रूपये कीमत की बिजली उत्पादन किया

गन्ने की सप्लाई न होने से मिल को बंद किया

इस बार करीब 63 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई हुई जबकि पिछले साल 64.31 लाख क्विंटल गन्ना पेराई की थी। वहीं मिल की टरबाइन से बिजली उत्पादन की बात की जाए तो मिल ने 147 दिनों में अब तक करीब 41944464 यूनिट का उत्पादन किया है। इसे बिजली निगम को 4.24 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बेचा जा रहा है। शुगर मिल के सीडीओ कर्मबीर सिंह ने बताया कि गन्ने की सप्लाई न होने की वजह से मिल को बंद किया गया है।

प्लाइबोर्ड एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर बताई समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

प्लाइबोर्ड एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर शिनवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने किया। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने आज संत कबीर कुटीर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी से प्लाइबोर्ड एसोसिएशन प्रतिनिधि मंडल को मिलवाया। इस दौरान प्लाइवुड इंडस्ट्री से संबंधित परेशानियों से मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया। उन्होंने बताया कि प्लाइवुड प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बताया कि प्लाइवुड इंडस्ट्रीज में टेक्निकल ग्रेड यूरिया का उपयोग होता है। कृषि विभाग द्वारा टेक्निकल ग्रेड यूरिया के सैंपल लिए जाते हैं जो कि कई बार फेल हो जाते हैं। इसमें प्लाइवुड संचालकों का कोई भी दोष नहीं होता है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पॉपुलर लकड़ी व सफेदा लकड़ी पर एक परसेंट मार्केट फीस है। यदि हरियाणा सरकार यह एक परसेंट मार्केट फीस को हटा दे तो प्लाइवुड उद्योग में जो बढ़ती लागत के कारण नुकसान हो रहा है उससे व्यापारियों को काफी सहूलियत होगी।

यमुनानगर के प्लाइवुड एसोसिएशन के सदस्य चंड़ीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलते हुए।

खबर संक्षेप

मां जगदंबा मंदिर मे मां भगवती चौंकी व विशाल भंडारे का कार्यक्रम आज

तरावड़ी। नवरात्रों के शुभ अवसर पर हर वर्ष की तरह 60 वां विशाल मेला एवं मां भगवती चौकी व भंडारे का आयोजन मां जगदंबा मंदिर में भारत ग्रुप की ओर से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में रविवार 21 अप्रैल को शाम को माता की चौकी में सुप्रसिद्ध टीवी कलाकार गायिका निधि साहिल दिल्ली वाले महामाई का गुणगान करेंगे एवं सोमवार को 22 अप्रैल प्रातः 10:00 बजे से सुप्रसिद्ध टीवी कलाकार मीत लाडला अंबाला व बंटी पांचाल महामाई का गुणगान करेंगे।

अपोलो स्कूल में मनाया गया पृथ्वी दिवस

तरावड़ी। अपोलो इंटरनेशनल स्कूल दादूपुर खुर्द मे विश्व पृथ्वी दिवस पर स्कूल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बच्चों ने पेंटिंग में अन्य माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने सुंदर पेंटिंग बनाई और क्राफ्ट के माध्यम से भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने अपने पंजे से पेड़ की आकृति बनाकर पेड़ों को न काटने की अपील की इस दौरान स्कूल प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने पेड़ों के महत्व के विषय में बच्चों को बताया साथ ही साथ जल संरक्षण और प्रदूषण न फैलाने के लिए प्रेरित किया ।

चुनाव प्रचार को लेकर प्रशासन दिए जरूरी निर्देश

करनाल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव-2024 व करनाल विधानसभा उप चुनाव के दौरान प्रचार सामग्री का प्रकाशन करने के लिए पोस्टर या पंफलेट पर प्रकाशक, प्रकाशन करवाने वाले का नाम तथा प्रतियों की संख्या छपी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन विभाग, हरियाणा निर्वाचन आयोग सहित जिला प्रशासन की ओर से चुनाव खर्च के विवरण पर पूरी निगरानी रखी जाएगी। इसलिए प्रिंटिंग प्रेस संचालक एनेक्सचर फॉर्म वन और बी भरकर यह स्पष्ट करेंगे कि प्रचार की सामग्री किस प्रैस से छपवाई गई और इस सामग्री को छपवाने वाला कौन है। साथ ही कितनी प्रतियां छापी गई है, यह ब्यौरा भी प्रेस संचालकों को देना होगा।

जिला कारागार में लोक अदालत का आयोजन

थानेसर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के मार्गदर्शन में डीएलएसए द्वारा जिला कारागार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान 7 केसों पर सुनवाई की गई। जेल लोक अदालत में 5 केसों का मौके पर निपटारा करके अंडरगोन किया गया। इन अंडरगोन किए गए केसों में 6 बंदियों को मौके पर ही रिहा किया गया।

पुलिस ने शराब सहित आरोपी किया काबू

अंबाला। थाना बराड़ा क्षेत्र से पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी रमन कुमार को शराब तस्करी के आरोप में काबू किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी शराब तस्करी का कारोबार करता है। इसी आधार पर पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू किया। तलाशी लेने पर पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 बोतल अवैध शराब जब्त की थी। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

करनाल प्रवास के दौरान कई कार्यक्रमों में शामिल हुए मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत और शक्तिशाली हुआ देशः नायब सिंह

आज योग्य युवाओं को बिना खर्ची और बिना पर्ची के नौकरियां मिल रही है, आगे भी रोजगार के खुलेंगे अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है और देश को और अधिक मजबूत व शक्तिशाली बनाने के लिए जनता के आशीर्वाद की जरूरत है। जनता ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन बना लिया है और देश की जनता इस बार भी नरेंद्र मोदी को ही प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को अपने करनाल प्रवास के दौरान सेक्टर-32 स्थित प्रकाश वीर चौहान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। इसके बाद मुख्यमंत्री सेक्टर-4 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में ईश्वर सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव व विधानसभा उप चुनाव को लेकर जोश भरा। उन्होंने करनाल लोकसभा से मनोहर लाल और करनाल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने हर व्यक्ति की बात सुन उसका समाधान करने प्रयास किया है ताकि आम जन को किसी भी तरह की परेशानी न आए। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही ऐसा संगठन है जहां एक कार्यकर्ता को बड़ी से बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी जाती है। दूसरी पार्टियों में कुर्सी को लेकर होड़ लगी रहती है। प्रदेश में मनोहर लाल ने जो योजनाएं चलाई थी उनका लाभ प्रदेश की जनता को लंबे समय तक मिलता रहेगा।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

आज योग्य युवाओं को बिना खर्ची और बिना पर्ची के नौकरियां मिल रही हैं। यह मनोहर लाल की नीतियां हैं जो आज किसी को अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। आज घर बैठे हुए प्रदेश की जनता योजनाओं का लाभ उठा रही है। अब प्रदेश और देश की जनता मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएगी। करनाल सहित हरियाणा प्रदेश की सभी 10 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झोली में डालने का काम करेगी। इस अवसर पर विधायक हरविंद्र कल्याण, विधायक राम कुमार कश्यप, जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, भाजपा के वरिष्ठ नेता जगमोहन आनंद, संजय बठला, जिला महामंत्री सुनील, सुनील गुप्ता, नीलम सिंह, प्रकाश वीर चौहान, राज सिंह चौहान सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही सरकारः नायब सैनी

करनाल। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं करनाल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता को सुविधा देना सरकार का दायित्व है। सरकार लगातार जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। देश को आजाद हुए 77 सात बीत गए, लेकिन 2014 से पहले देश जिस गति से आगे बढना चाहिए था, जिस गति से देश का विकास होना चाहिए था, वह नहीं हो पाया था। जिस दिन से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं, हमारा देश आज कितना आगे निकल चुका है। यह जनता के सामने हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को करनाल के सेक्टर-8 में करनाल प्रोपर्टी डीलर्स एसोसिएशन के प्रधान एवं भाजपा अर्बन मंडल के उपाध्यक्ष गौरव खुराना की ओर से आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। यहां पहुंचने पर करनाल प्रोपर्टी डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा सीएम को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। एसोसिएशन की ओर से सीएम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इसके अलावा सीएम नायब सिंह सैनी भाजपा कार्यकर्ता गोविंद शर्मा व नरेंद्र बाम्बा के निवास पर भी पहुंचे। उन्होंने आगामी लोकसभा व करनाल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उपस्थित लोगों ने हाथ उठाकर भाजपा का साथ देने का वायदा किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, निवर्तमान मेयर रेनू बाला गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता जगमोहन आनंद, संजय बठला, महामंत्री सुनील गोयल, राजबीर शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, पूर्व पार्षद वीर विक्रम, करनाल प्रोपर्टी डीलर्स एसोसिएश से शैलेंद्र कत्याल, ललित बंसल, नितिन लखनपाल, राकेश छाबडा, कपिल खट्टर, गौरव वर्मा, संदीप कुमार, राधेश्याम चावला, चंदगी राम, शक्ति केंद्र प्रमुख अर्बन मंडल रामकुमार शर्मा, सारस्वत ब्राह्मण सभा के प्रधान अशोक कुमार, कैशियर रमेश कुमार, पूर्व प्रधान एवं रिटायर्ड डीएसपी सुभाष चंद्र और उपप्रधान एसपी शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

रांड़ा पेंशन से बात नहीं बनेगी रोजगार दे सरकारः जयहिंद

- काफी संख्या में युवा पहुंचे बेरोजगारों की बारात में
- कोर्ट में मजबूत पैरवी कर भर्तियों के सभी कोर्ट केस का निपटारा करवाए सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

जयहिंद सेना प्रमुख डॉ नवीन जयहिंद ने एक बार फिर हजारों बेरोजगारों के साथ ₹बेरोजगारों की बारात₹ निकली । इससे पहले रोहतक और जींद में भी ₹बेरोजगारों की बारात₹ निकली जा चुकी । इस बार उन्होंने करनाल में बेरोजगारों के साथ ये बारात निकली और सरकार को अपना वायदा याद दिलाया । ये बारात करनाल के पुराने बस स्टैंड शुरू होकर पुरे शहर से होती हुई डीसी ऑफिस पहुंची जहाँ नवीन जयहिंद और बेरोजगारों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नाम युवाओं की प्रमुख मांगों का ज्ञापन सौंपा गया । जयहिंद ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि आज वे बरोजगारों की बारात निकाल रहे है क्योंकि प्रदेश में कोई भी भर्ती पूरी नहीं हो रही है । टीजीटी से लेकर सेट तक सभी भर्तियों पर कोर्ट केस चल रहे है । आज ये सारे बेरोजगार बटेउ सरकार को अपना वायदा दिलाने के लिए आये है ।जब पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा था की 50 हजार भर्तियाँ की जाएँगी और ग्रुप डी से पहले ग्रुप सी की भर्ती होगी ।

हमारा किसी राजनीतिक दल से कोई सरोकार नहीं

पत्रकारों द्वारा जब जयहिंद से सवाल किया गया की वे किसे सपोर्ट करते है तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया कि वे बेरोजगारों को सपोर्ट करते है। ये बेरोजगार न तो किसी राजनीतिक दल से है और न इन्हें चुनाव लड़ना है सरकार अपना वायदा पूरा करें और इनकी भर्ती कोर्ट केसों से निकालवा कर पूरी करें। इनकी कोई भी नई मांग नहीं है। पिछले 2 साल से ये युवा लाखों इन भर्तियों को कोर्ट से बाहर निकलवाने पर खर्च कर चुके है।

विपक्ष कर रहा है बेरोजगारों के नाम पर राजनीति

वही जयहिंद ने विपक्ष को भी घेरते हुए कहा कि आज जब इन युवाओं को सबसे ज्यादा सुपोर्ट की जरूरत है। इनकी आवाज उठाए वाले चाहिए तो विपक्ष सड़क से गायब है। विपक्ष के नेता सिर्फ वोटों की राजनीति कर रहा है।

मोदी के साथ खड़ा अल्पसंख्यक समाज

- भाजपा को 400 सीटें पार करवाने में अल्पसंख्यक समाज की रहेगी अहम भूमिका : सिंकदर सलमानी

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सिकंदर सलमानी ने कहा कि इस बार 2024 के चुनाव में मोदी सरकार लाने और भाजपा को 400 सीटे पार करवाने में अल्पसंख्यक समाज की अहम भूमिका होगी। मोदी सरकार के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समाज को ध्यान में रखते हुए अनेकों योजनाएं चलाई गई जिनका उन्हें पूरा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने केवल अल्पसंख्यक समाज का इस्तेमाल किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही अल्पसंख्यक समाज का भला किया है। सिकंदर सलमानी लोकसभा चुनाव व करनाल विधानसभा उप चुनाव को लेकर आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। सिंकदर सलमानी ने कहा कि आज सवाल के घेरे में वह पार्टियां हैं जो जिन्होंने भाजपा का भय दिखाकर अल्पसंख्यकों के शोषण किया है। जबकि भाजपा ही केवल सभी समुदायों का सम्मान करती आई है। खुद को अल्पसंख्यकों के हितैषी कहने वाली पार्टियों का चरित्र बेनकाब हो चुका है। इस बार जनता उन पार्टियों को सबक सिखाएगी और एक बार फिर पूरे देश में कमल खिलेगा।

इंद्री। शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में विदाई पार्टी मे उपस्थित विद्यार्थी व प्रोफेसर। फोटो: हरिभूमि

पैनासोनिक ने एसी की नई रेंज पेश की

करनाल। एक प्रमुख डाइवर्सीफाइड टेक्नोलॉजी कंपनी पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस ने आज हरियाणा के बाजार में 2024 के लिए अपने नए एयर कंडीशनर्स की श्रृंखला को लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने 60 मॉडलों में 1.0, 1.5 और 2.0 टन के एयरकंडीशनर्स पेश किए हैं। एयर कंडीशनर्स की यह नई रेंज सभी प्रमुख रिटेल आउटलेट्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और पैनासोनिक ब्रांड स्टोर पर उपलब्ध है। जिससे उपभोक्ताओं को आदर्श रूप से आराम पहुंचाने वाली ठंडक प्रदान करने के लिए यह एसी अपने आप सेटिंग्स को एडजस्ट करते हैं। पर्सनलाइज्ड स्लीप प्रोफाइल का फीचर रात में बार-बार तापमान को एडजस्ट करने की जरूरत को खत्म करता है।

अंग्रेजी कविताओं में छाए विद्यार्थी

- प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में अंग्रेजी कविता की प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭तरावड़ी

प्रताप पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सौंदर्य कविता का क्षेत्र है हमारे विद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया क्योंकि उन्हें अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास प्रदर्शित करने का अवसर मिला। प्रतियोगिता ने युवा कवियों को आगे आकर मंच पर पाठ करने के लिए प्रेरित किया। छात्र विभिन्न विषयों पर अलग-अलग कविताएँ लेकर आए और उन्हें बड़े शौक और उत्साह के साथ सुनाया। उन्होंने अभिव्यक्ति, विचारों, भावनाओं, लय और शब्दों के संगीत की पूर्णता का आनंद लिया। प्रतिभागी कक्षा 3 से 8 तक के थे। प्रतापियों ने जीत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी यह छात्रों को आत्मविश्वास, आवाज मॉड्यूलेशन, याद रखने और समग्र प्रस्तुति जैसे मापदंडों पर आंका गया। युवा कवियों ने कविताएं सुनाते हुए अपनी अभिव्यक्ति और स्मृति कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह उनके लिए मंच प्रदर्शन के माध्यम से आत्मविश्वास हासिल करने का एक शानदार अवसर था। उनकी मनभावन प्रस्तुतियाँ देखकर सभी प्रसन्न हो गये। निर्देशिका पिथी चौधरी ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना की।

तरावड़ी। कार्यक्रम मे भाग लेते प्रताप स्कूल के बच्चे। फोटो: हरिभूमि

भाषण प्रतियोगिता और निबन्ध प्रतियोगिता मे विद्यार्थियों ने दिया शानदार प्रतिभा का परिचय

घरौंडा। राजकीय महिला महाविद्यालय घरौंडा (बसताड़ा) में प्राचार्य श्री महेन्द्र सिंह बागी जी के कुशल नेतृत्व और कार्यवाहक प्राचार्य श्री नरेश सिंह के मार्गदर्शन और निर्देशन में तथा श्री संदीप कुमार व डॉ0 हितेन्द्र जी के संयोजन में लीगल लिटेरेसी सेल व एन्टी टोबेको सेल के अन्तर्गत भाषण प्रतियोगिता और निबन्ध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इसमें कार्यवाहक प्राचार्य श्री नरेश सिंह ने सम्बोधन के माध्यम से छात्राओं को भागीदारी के लिए प्रेरित किया और कानूनी साक्षरता के प्रति सचेत किया । श्री सन्दीप कुमार सहायक प्रोफेसर राजनीति विज्ञान ने मंच का सफल संचालन किया। इसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में रितु बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रथम स्थान, मुस्कान बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा द्वितीय स्थान , निधि बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा तृतीय स्थान,ललिता बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रथम स्थान ,आशा बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा दूसरा स्थान, हिमांशी बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर डा विक्रम सिंह सहायक प्रोफेसर हिन्दी, डॉ हितेंद्र भातिक विज्ञान आदि उपस्थित रहे।

जूनियर्स ने सीनियर्स को दी विदाई

- शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय की गई एमए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई पार्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭इंद्री

शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में अंग्रेजी विभाग के एमए प्रथम वर्ष के छात्रों के द्वारा एमए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई पार्टी दी गई । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ विकास अत्री ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और जीवन में निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया । एमए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और उन्होंने बताया कि आज जीवन में जहां तक वह पहुंच पाए हैं वह सब उनके शिक्षकों की ही देन है। एमए प्रथम वर्ष अंग्रेजी के छात्रों ने एमए अंग्रेजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी । स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के छात्रों ने अंतिम वर्ष के छात्रों को उपहार स्वरूप भेंट दी। प्रथम वर्ष के छात्रों ने बताया कि अंतिम वर्ष के छात्रों ने उनको समय-समय पर मार्गदर्शित किया है और उनको जो अंग्रेजी माध्यम से करने का जो एक डर होता है वह निकालने में मदद उनकी अंतिम वर्ष के छात्रों ने ही की है । यह विदाई समारोह महाविद्यालय में विद्यार्थियों के मध्य एकता एवं बंधुता की भावना को उजागर करने के लिए ही किया जाता है । इस मोके पर डॉ बाल ऋषि, डॉ बबीता, डॉ हरीश, डॉ सविता, प्रो वंदना सैनी, डॉ मीनाक्षी व प्रो नवीन कुमार मौजूद रहे।

इंद्री। शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में विदाई पार्टी मे उपस्थित विद्यार्थी व प्रोफेसर। फोटो: हरिभूमि

ड्रामा कौम दा योद्धा का का किया जाएगा मंचन

- जस्सा सिंह रामगढ़िया की जन्म शताब्दी वर्ष को समर्पित लाइट एंड साउंड ड्रामा क़ौम दा योद्धा का मंचन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

बाबा बंदा सिंह बहादुर की शहादत के बाद 18वी सदी का समय खालसा पंथ के लिए बेहद कठिन रहा। मुग़ल सल्तनत जुल्म के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने वाले ख़ालसा पंथ को जड़ से ख़त्म करना चाहते थे। 18वी सदी के क़ुर्बानियों भरे सिख इतिहास पर आधारित व क़ौम के महान जरनैल बाबा जस्सा सिंह रामगढ़िया की जनम शताब्दी वर्ष को समर्पित लाइट एंड साउंड ड्रामा, "क़ौम दा योद्धा" का मंचन कल रविवार 21 अप्रैल को ऐतहासिक गुरुद्वारा नाडा साहेब में शाम 7:30 बजे मंचित किया जाएगा। इस अवसर पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह, धर्म प्रचार के चेयरमेन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल सहित अन्य सदस्य व प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहेंगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए गुरुद्वारा नाडा साहिब के मैनेजर रणजीत सिंह ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सहयोग से बाबा जस्सा सिंह रामगढ़िया जनम शताब्दी कमेटी के अंतर्गत इंटरनेशनल सिख फ़ोरम व शिरोमणि गतका फेडरेशन ऑफ़ इंडिया की सांझी पेशकारी में 18वीं सदी में सिखों की महान क़ुर्बानियों व मुग़लों के जुल्मों की दास्ताँ को मंच व स्क्रीन के माध्यम से दिखाया जाएगा।

बारिश व ओलावृष्टि से खराब फसल का किया आकलन

खराब फसल का सरकार को भेजा ब्यौरा

- उपायुक्त उत्तम सिंह ने अनाज मंडियों से फसल उठान जल्द से जल्द करने के लिए दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

करनाल के उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि जिले में बारिश और ओलावृष्टि की वजह से कुछ गांवों में फसल खराब हुई है। जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए बिना समय गंवाए इन गांवों से जुड़ा ब्यौरा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग को भेज दिया है। उन्होंने जल्द से जल्द फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की डिमांड भी विभाग के समक्ष रखी है ताकि किसान स्वयं भी अपनी खराब फसल का ब्यौरा इस पोर्टल पर डाल सके। उन्होंने कहा कि बारिश और ओलावृष्टि से इंद्री तहसील के कुछ गांवों में अधिक नुकसान हुआ है। इसके अतिरिक्त नीलोखेड़ी तहसील के भी कुछ गांव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कल बारिश के बाद से ही राजस्व विभाग के अधिकारियों को फसल खराबे से संबंधी रिपोर्ट देने के निर्देश दे दिए गए थे। तभी से विभाग के कर्मचारी फील्ड में उतरे हुए हैं और इस संबंध में आंकलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल भी राजस्व व आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा खोल दिया जाएगा।

जल्द से जल्द सुनिश्चित हो उठानः उपायुक्त

उपायुक्त उत्तम सिंह ने सभी एसडीएम को जिले की सभी अनाज मंडियों में जल्द से जल्द उठान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस समय फसल सीजन अपने चरम पर है, ऐसे में जल्द से जल्द किसान की फसल की खरीद हो और तत्काल उठान करवाया जाए ताकि अन्य किसानों की फसल आ सके। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि फसल बेचने में किसानों को किसी तरह की परेशानी न आने दी जाए, खरीद एजेंसी इस कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करें।

फसल खराबे की बारीकी से तैयार करें रिपोर्ट

उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि जिन गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से फसल खराब हुई है, एसडीएम स्वयं उसका जायजा लें और बारीकी से रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि कोई भी क्षेत्र जहां पर इस प्राकृतिक आपदा की वजह से नुकसान हुआ है, वह छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने इसे सख्ती से पालन करने के निर्देश जारी किए हैं।

सम्मेलन में पहुंचे सैकड़ों भाजपाई

- कार्यकर्ता सम्मेलन में गिनाई भाजपा सरकार की उपलब्धियां

हरिभूमि न्यूज ⏭घरौंडा

बीजेपी बरसत मण्डल के गढ़ी खजूर शक्ति केंद्र पर बस्सी, मलिकपुर,प्रेमनगर गांव के त्रिदेव,पन्ना प्रमुखों व सैकड़ों कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया ।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक रमेश कश्यप,विधानसभा विस्तारक सोनू कौशिक, महामंत्री देवेंद्र शर्मा,राजेश जोगी, क्लस्टर संयोजक सन्दीप लोहट, सरपंच अजय राणा,जितेंद्र राणा,सरपंच सोहनलाल, टेकचंद, राकेश कश्यप मौजूद रहे। क्लस्टर संयोजक संदीप लोहट ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। घरौंडा विधानसभा विस्तारक सोनू कौशिक ने बैठक का वृत लेते हुए कार्यकर्ताओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रमेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सबका साथ सबका विकास संकल्प को लेकर काम कर रही है। मोदी जी देश कि भलाई के लिए दिन रात कार्य कर रहे हैं। उन्होंने ऐसी योजनाएं बनाई है, ऐसा विचार कभी किसी के मन में नहीं आया था। योजनाओं से आज देश के करोड़ों लोगों का भला हो रहा है। लोकसभा का यह चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहीं हरियाणा प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षित माहौल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भलाई ओर उनके भविष्य को बेहतर बनाना हमेशा से ही भाजपा का प्रयास रहा है ताकि वे आत्म निर्भर बन सकें। किसानों के हित में अनेकों कल्याणकारी योजनाएँ चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मनोहर जी व मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जनकल्याण के लिए जो कार्य किए हैं उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

खबर संक्षेप

छात्राओं को कैंसर रोधी वैक्सीन दी

पानीपत। राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सैकंड्री स्कूल जी.टी. रोड में रोटरी क्लब पानीपत प्राइम एवं आर्य समाज माडल टाउन के संयुक्त तत्वावधान में एचपीवी वैक्सीन की डोज 65 लड़कियों को लगवाई गई। विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रतिमा शर्मा ने बच्चों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित कर मार्ग दर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस वैक्सीन से किस प्रकार कैंसर से बचाव होगा विस्तार से जानकारी दी। रोटरी क्लब पानीपत प्राइम के प्रधान राकेश गर्ग, पीडीजी रमेश बजाज, पीपी रीटा कालरा, आर्य समाज माडल टाउन पानीपत के प्रधान शशि चढ्ढा आदि उपस्थित रहे।

विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया

पानीपत। रायल क्ववीन कल्ब द्वारा राजकीय माडल संस्कृति स्कूल अज्जीजुलापुर में निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को क्लब की संस्थापक ज्योति आहूजा, प्रधान कर्म अधलखा, उप प्रधान रूही बरेजा, सचिव पूनम नारंग, प्राची गर्ग, आंचल चांद व क्लब के सदस्य मंजू भाम्बरी, शिवानी, वीना मैहता, प्रियंका रंजन, लता गुप्ता, सोनाली कालरा, स्वाती, मालती, रेखा वर्मा व अंजलि वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रही। कार्यक्रम में कैबिनेट टीम और क्लब के सदस्यों ने प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्राफी व उपहार देकर सम्मानित किया।

छात्रों ने मतदान की शपथ ली

पानीपत। दिल्ली पब्लिक स्कूल सिटी में मतदाता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी छात्रों एवं स्टाफ के सदस्यों ने भाग लिया। शपथ कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या रोहिणी दहिया ने सबको आने वाले लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का उचित उपयोग करने के लिए शपथ दिलाते हुए कहा कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा रखते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक होकर एवं धर्म, वर्ग, जाति से ऊपर उठकर बिना किसी प्रलोभन के अपने मत का उचित प्रयोग करेंगे।

फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई पार्टी

रादौर। मुकंदलाल नेशनल कॉलेज रादौर में शनिवार को बीकॉम फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। विदाई पार्टी का प्रारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक कौशिक ने दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए कई मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।मौके पर छात्र अक्षय को मिस्टर फाइनल व रिया को मिस फाइनल चुना गया।

अलग-अलग हादसों में दो व्यक्तियों की मौत

यमुनानगर। सड़क हादसों में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। गांव फेरूवाला निवासी अंकित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 61 वर्षीय लक्ष्मण गांव सनखेड़ा में काम करने के लिए गया था। गांव सनखेड़ा निवासी हरविंदर सिंह ने लापरवाही से ट्रैक्टर चलाकर उसके पिता को टक्कर मार दी। उधर, जम्मू कॉलोनी निवासी जयप्रकाश ने पुलिस को बताया कि उसका दोस्त कृष्णा नगर निवासी 45 वर्षीय श्री भगवान उर्फ शिवकुमार की कार में ट्रक ने टक्कर मार दी।

एनवायरमेंट डिग्रेडेशन आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है : प्रो मित्तल

आईबी कॉलेज में इमर्जिंग ट्रेंड्स इनफ्लुएंसिंग बिजनेस एंड मैनेजमेंट इन प्रेजेंट एरा पर नेशनल कांफ्रेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी पीजी कॉलेज में वाणिज्य व प्रबंधन विभाग एवं आइ.क्यू.एसी के संयुक्त तत्वावधान में उच्च शिक्षा विभाग पंचकूला, हरियाणा द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय स्तर पर कांफ्रेंस का ब्लेंडेड मोड में आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस का विषय ₹इमर्जिंग ट्रेंड्स इनफ्लुएंसिंग बिजनेस एंड मैनेजमेंट इन प्रेजेंट एरा₹ यह कांफ्रेंस माइक्रोसॉफ्ट टीम प्लेटफार्म पर करवाया गया। इस कांफ्रेंस का शुभारम्भ प्रो. तेजिंदर शर्मा (वाणिज्य विभाग कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र), महाविद्यालय प्रबंधक समिति के महासचिव लक्ष्मी नारायण मिगलानी, युधिष्ठिर मिगलानी, प्राचार्य डॉ. अजय कुमार गर्ग, उप-प्राचार्या प्रो. रंजना शर्मा, डॉ. रामेश्वर दास, डॉ. सुनित शर्मा, डॉ. निधान सिंह, डॉ. विक्रम कुमार, सह-संयोजक प्रो. अजयपाल सिंह, प्रो. माधवी एवम प्रो. ज्योति द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके व मां सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस कांफ्रेंस के शुभारम्भ में महाविद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान धर्मबीर बत्रा ने कहा किसी भी छात्र, विद्वान या शोधकर्ता के लिए कांफ्रेंस अति महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के इवेंट से उनकी सोचने की क्षमता और ज्ञान में वृद्धि होती हैं। किसी राष्ट्रीय कांफ्रेंस में भाग लेने से मिलने वाले लाभ लंबे समय तक चलने वाले होते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार गर्ग ने कहा कि कांफ्रेंस में हिस्सा लेने से आपको न केवल विशेषज्ञ के विचारों को जानने का अवसर मिलता है बल्कि अन्य प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों से भी काफी कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब आप किसी सम्मेलन का हिस्सा होते हैं तो आपको समान विचारधारा वाले विद्वानों और समान रुचियों वाले साथियों से मिलने का मौका मिलता है। इससे आपके पेपर पर विचार-मंथन और चर्चा करने की संभावनाएं बनती हैं जिससे सहयोगात्मक बातचीत हो सकती है। इसी उद्देश्य से हमारा महाविद्यालय में समय-समय पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस होती रहती है। इस कांफ्रेंस के संयोजक डॉ. सुनित शर्मा, विभागाध्यक्ष (वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग) ने कहा कि व्यवसाय का वातावरण लगातार बदल रहा है। जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी विकसित हो रही है और ग्राहकों की जरूरतें बदलती जा रही है, वैसे ही व्यवसायों को भी मार्केट में बने रहने के लिए समय-समय पर व्यावसायिक वातावरण में हो रहे बदलाव के बारे में अपडेट होना चाहिए। व्यवसाय में उभरते ट्रेंड्स जैसे कि डिजिटाइजेशन, रिमोट वर्क, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबिलिटी, वर्कफोर्स डाइवर्सिटी आदि सभी कंपनियों को प्रभावित कर रहे है। उन्होंने व्यवसाय एवं प्रबंधन में आ रहे विभिन्न बदलाव जैसे डिजिटलाइजेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबिलिटी, ग्लोबलाइजेशन इत्यादि के बारे में बात की। इन विषयों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से डिजिटलीकरण की तरफ बढ़ रही है। चाहे उद्यमों के जरिये उत्पाद बनाने और उसे बचने का मामला हो, सरकार द्वारा नागरिकों को सामाजिक सेवाएं प्रदान करना हो, तमाम जगहों पर टेक्नोलॉजी का ही बोलबाला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधुनिक व्यवसाय संचालन का एक अभिन्न अंग बन गया है और व्यवसायों को प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक है। उन्होंने सस्टेनेबिलिटी के बारे में बात करते हुए कहा कि सस्टेनेबिलिटी सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता बन गई है सभी व्यवसाय को ऐसे उत्पाद बनाने होंगे जो पर्यावरण की अनुकूल हो। वैश्वीकरण ने व्यवसायों के लिए प्रतिभा पूल का काफी विस्तार किया है। अंत में उन्होंने वर्क लाइफ बैलेंस, क्रॉस फंग्शनल कोलैबोरेशन, डाइवर्सिटी, इक्विटी एवं इंक्लूजन विषयों पर भी प्रकाश डाला। इ

पानीपत। आईबी कॉलेज में नेशनल कांफ्रेंस का लिटरेचर जारी करते हुए अतिथिगण।

आज के बदलते वातावरण में व्यवसाय के लिए निर्णय लेना बहुत मुश्किल

इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता प्रो. आर. के. मित्तल (पूर्व वॉइस चांसलर, सीबीएलयू, भिवानी) ने कहा कि आज के बदलते हुए वातावरण में व्यवसाय के लिए निर्णय लेना बहुत मुश्किल हो चुका है क्योंकि भविष्य अनिश्चित है और विश्व भिन्न-भिन्न चुनौतियां जैसे एनवायरनमेंट डिग्रेडेशन, क्लाइमेटिक चेंज, टेररिज्म अटैक, पॉलीटिकल इंस्टेबिलिटी इत्यादि से सामना कर रहा है। आज के इस बदलते हुए वातावरण और इन चुनौतियों का सामना करते हुए सभी कंपनियों को ध्यान रखना होगा कि कैसे वे अपने ग्राहकों को कम से कम मूल्य पर उत्पाद उपलब्ध करवाए। उन्होंने अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि एक व्यवसाय तभी आगे बढ़ेगा जब समय-समय पर अपने व्यापार में इनोवेशन एवम क्रिएटिविटी लायेंगे। इसमें सबसे ज्यादा जरूरी है कि कंपनियां स्थानीय जरूरतों और रिसर्च गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान दें। उन्होंने कहा कि एनवायरमेंट डिग्रेडेशन आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है। कंपनियों को सस्टेनेबिलिटी, रिन्यूएबल और नॉन रिन्यूएबल रिसोर्सेस, लेटेस्ट टेक्नोलॉजी पर ध्यान देना होगा। कंपनियों को ऐसी रणनीतिया तैयार करनी होगी जिसमें रिसोर्सेस का सही इस्तेमाल हो और वेस्टेज कम से कम हो। इसके बाद इस कांफ्रेंस के कीनोट स्पीकर प्रो. तेजिंदर शर्मा (वाणिज्य विभाग, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र) ने अपने विचार रखते हुए कहा कि दुनिया बदल रही है जिससे व्यवसाय एवं समाज भी बदल रहा है।

बड़ी कंपनियों ने नेटवर्क मार्केटिंग के मूल मंत्र को अपनाया

कांफ्रेंस के प्रथम प्लेनरी सत्र के वक्ता प्रो. नवाब अली खान (वाणिज्य विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) ने अपने सत्र में नेटवर्क मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, सस्टेनेबिलिटी , सप्लाई चैन मैनेजमेंट, केपीओ, जेंडर बैलेंस जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं दुनिया भर की बड़ी कंपनियों ने नेटवर्क मार्केटिंग के मूल मंत्र को अपनाया है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि ई-कॉमर्स माल और सेवाओं में सीमा पार व्यापार के लिए उपलब्ध सबसे तेजी से बढ़ते व्यापार मार्ग में से एक बन गया है। यह न्यूनतम निवेश के साथ विश्व बाजार में स्वीकृति सुनिश्चित करता है। इस कांफ्रेंस के तकनीकी सत्र के अध्यक्ष प्रो. आसिफ खान (डीन फैकल्टी ऑफ कॉमर्स, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) जी ने डेलिगेट्स द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की सरहाना की और कहा कि बड़ी संख्या में कर्मचारी रिमोट वर्किंग यानी कहीं भी बैठकर काम करने की लचीली व्यवस्था को वेतन से अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऑफिस की जगह घर या किसी अन्य स्थान से काम करने की अनुमति देने से कंपनियों को प्रतिभावान कर्मचारी पाने और उन्हें कंपनी में बनाए रखने में मदद मिल रही है। इस समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. महावीर नरवाल (अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र) ने इस सत्र में एडेप्टिव लीडरशिप, डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन, रिमोट वर्क, सस्टेनेबिलिटी और ईसीजी प्रैक्टिस, डाटा डाटा प्राइवेसी एंड सिक्योरिटी इत्यादि विषयों पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि डेटा की हानि के परिणामस्वरूप ग्राहकों का किसी संगठन पर से भरोसा उठ सकता है और वे अपने व्यवसाय को किसी प्रतिस्पर्धी के पास ले जा सकते हैं। इससे संवेदनशील डेटा खो जाने की स्थिति में जुर्माना, कानूनी भुगतान और क्षति की मरम्मत के साथ-साथ गंभीर वित्तीय नुकसान का भी जोखिम होता है। आर्थिक अनिश्चितता और विघटनकारी तकनीकी विकास में एडाप्टिव लीडरशिप महत्वपूर्ण है। इस कांफ्रेंस में देश के विभिन्न राज्यों हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा से आए अध्यापकों एवं शोधार्थियों ने विभिन्न विषयों पर शोध प्रस्तुत किए।

पानीपत। चौ .देवीलाल कॉलेज की छात्राएं अतिथियों के साथ।

छात्राओं ने देवीलाल कॉलेज में पौधे रोप कर विदाई ली

पानीपत। चौधरी देवीलाल मेमोरियल कन्या पीजी महाविद्यालय सिवाह पानीपत में शनिवार को छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जजपा नेत्री बिमला कादियान व हिया कादियान ने शिरकत की। इस मौके पर छात्रों की विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई। विजेता छात्राओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया और छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों को प्राप्त करने पर भी जोर दिया।

इस दौरान कॉलेज प्रिंसिपल डॉक्टर सुमन लता ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई दी। इस अवसर पर उर्मिला, प्रियंका आदि उपस्थित रहे।

एसडी कॉलेज में मां सरस्वती व महाराजा अग्रसेन की मूर्तियों का लोकार्पण

■ सुंदर कांड का पाठ व अनुष्ठान कर समस्त मानव जाति के कल्याण की मंगलकामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एसडी पीजी कॉलेज में माता सरस्वती एवं महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का भव्य समारोह में लोकार्पण किया गया। विदित रहे कि एसडी एजुकेशन सोसाइटी की नौ शिक्षण संस्थाओं में लगभग 25 हजार से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे है का प्रशासनिक कार्यालय एसडी पीजी कॉलेज में स्थित है। इसके मद्देनजर मां सरस्वती और महाराज अग्रसेन की प्रतिमा को कॉलेज प्रांगण में स्थापित की गई। वही, दोनों प्रतिमाओं के लोकार्पण के उपरांत सुंदर कांड का पाठ किया गया। जिसका दायित्व देवी मंदिर पानीपत से पधारे आचार्य लाल मणि पाण्डेय ने निभाया। सुन्दर काण्ड पाठ में उनका भरपूर साथ आचार्य विवेक पाण्डेय और पंडित रितेश शुक्ल ने दिया। वहीं कार्यक्रमों का उदघाटन मुख्य अतिथि एसडी एजुकेशन सोसाइटी के संरक्षक रोशन लाल मित्तल ने किया। अतिविशिष्ट अतिथि एसडी इंटरनेशनल स्कूल से चेयरमैन पवन गर्ग रहे। अध्यक्षता श्री एसडी एजुकेशन सोसाइटी से सचिव नरेश कुमार गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडी विद्या मंदिर हुड्डा से सतीश चंद्रा चेयरमैन, तुलसी सिंगला सचिव, एसडीवीएम सिटी से रघुनन्दन सरूप गुप्ता चेयरमैन, अभय सिंगला वाईस-चेयरमैन, श्रीकृष्ण अग्रवाल ऑडिटर, एसडी इंटरनेशनल स्कूल से पवन गर्ग चेयरमैन, दीपक सिंगला वाईस-चेयरमैन, राम लाल सिंगला ऑडिटर, एमएएसडी पब्लिक स्कूल से सुरेन्द्र कुमार वाईस-चेयरमैन, एपीट एसडी इंडिया से उमेश कुमार अग्रवाल चेयरमैन, एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल से प्रमोद कुमार बंसल प्रधान, फकीर चंद मैनेजर, सूरज प्रकाश गुप्ता ऑडिटर, एसडी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से अमित जिंदल ऑडिटर, सदस्य योगेश्वर, दिनेश सिंगला उपस्थित रहे। जबकि डॉ अन्नू गुप्ता प्राचार्य एसडीवीएम हुडा और डॉ शिवानी कंडोला प्राचार्य एसडीवीएम सिटी भी कार्यक्रम का हिस्सा बनी। वही, मेहमानों का स्वागत कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल, उप-प्रधान राजीव गर्ग, जनरल सेक्रेटरी महेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल और प्राचार्य डॉ अनुपम अरोड़ा ने किया।

पानीपत। एसडी कॉलेज में सुंदर कांड का पाठ करते हुए ब्राहमण व कार्यक्रम में शिकरत करते हुए एसडी एजुकेशन सोसाइटी के पदाधिकारीगण।

पानीपत। आर्य पीजी कॉलेज शिक्षक संघ के नवनियुक्त पदाधिकारीगण।

आर्य पीजी कालेज के शिक्षक संघ की प्रधान बनी डॉ. गीतांजलि

पानीपत। आर्य महाविद्यालय पानीपत की शिक्षक संघ एचसीटीए स्थानीय इकाई के पुनर्गठन के लिए सदस्य से चारों पदों प्रधान, उपप्रधान, महासचिव व सहसचिव के लिए नाम आमंत्रित किए थे। जिसमें सम्मानित सदस्यों में से डा. गीतांजली धवन ने प्रधान पद, डा. रजनी शर्मा उपप्रधान, डा.अनिल वर्मा महासचिव एवं डा. मनीषा डुडेजा सहसचिव पद के लिए अपना आवेदन किया था। आगामी कार्यकारी स्थानीय इकाई एचसीटीए के पदाधिकारी के चुनाव के लिए सभी सदस्यों ने आज अपनी सहमति दी। प्राचार्य डा. जगदीश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आज आर्य महाविद्यालय पानीपत की शिक्षक संघ एचसीटीए स्थानीय इकाई के पुनर्गठन के लिए हुए चुनाव में प्रधान डा. गीतांजली धवन, सहसचिव डा. मनीषा डुडेजा, उप-प्रधान डा. रजनी शर्मा, महासचिव डा. अनिल वर्मा को चुना गया। प्राचार्य ने चुने गए सभी सदस्यों को बधाई दी।

आर्य कॉलेज की छह छात्राएं कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की मेरिट में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ने एबीएससी नॉन मेडिकल व मेडिकल के पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए। इन परीक्षा परिणामों में आर्य कॉलेज के छह विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर कालेज का नाम रोशन किया। प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा शनिवार को बीएससी नॉन मेडिकल व मेडिकल के पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए। बीएससी नॉन मेडिकल के पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में आर्य कॉलेज की छात्रा वंशिका ने 332 अंक लेकर टॉप टेन की सूची में दूसरा स्थान, जूही ने 318 अंक लेकर आठवां स्थान, प्रीति रावल ने 316 अंक लेकर नौवां स्थान व तमन्ना ने 312 अंक लेकर 11वां स्थान हासिल किया। वहीं मेडिकल के पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में आर्य कॉलेज की नीतु ने 269 अंक लेकर 12 वां स्थान व छात्रा खुशबू ने 268 अंक लेकर सूची 13वां स्थान हासिल किया। प्राचार्य ने कहा कि आर्य कॉलेज के विद्यार्थी केवल शैक्षणिक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल-कूद के क्षेत्र में भी कॉलेज का नाम रोशन कर रहे हैं। डा. गुप्ता ने परीक्षा परिणाम में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों का मिठाई खिलाकर स्वागत किया। उन्होंने डा.गीतांजलि, डा. अनिल वर्मा, डा. बलकार सिंह, प्रो.शिखा गर्ग व प्रो. अदिति मित्तल को बधाई दी।

पानीपत। इनसो के नेता बसों को लेकर आईबी कॉलेज के प्राचार्य को ज्ञापन देते हुए।

विद्यार्थियों के लिए परिवहन सेवा शुरू हो: बलराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी पीजी कालेज के छात्रों ने छात्र संगठन इनसो के जिला प्रधान बलराज देशवाल व इनसो के राष्ट्रीय महासचिव राजेंद्र जैलदार के नेतृत्व में रोडवेज बसों की समस्याओं को लेकर प्राचार्य डा. अजय गर्ग को ज्ञापन सौंपा। इनसो नेताओं ने बताया कि प्रत्येक कालेजों और शिक्षण संस्थानो के हजारों छात्र-छात्राओं को जब से पानीपत पुराने बस स्टैण्ड को बंद किया गया है तब से आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोकल बसों का संचालन दोबारा से पुराने बस स्टैंड से हो लेकिन जिला प्रशासन इसे अनदेखा कर रहा है। इनसो नेता देशवाल ने बताया कि इनसो इसे लेकर अब प्रत्येक कॉलेज मे जाकर कॉलेज प्रबंधको से मिल छात्रों की समस्या को उठा रहा है। इनसो का प्रतिनिधि मंडल आईबी कालेज के प्राचार्य डा.अजय गर्ग को ज्ञापन सौंपा। मौक पर कपिल शर्मा, प्रदीप खर्ब, नवीन जागलान, हेमंत सिंह, नीरज चौधरी, गोविंद अदि थे।

सोशल मीडिया के बेजा प्रयोग से बचे विद्यार्थी: डॉ सिंह

पानीपत। दयाल सिंह पब्लिक स्कूल में प्रेरित जीवन ही सफल है विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. प्रवीन कुमारी सिंह प्रतिष्ठित एवं निपुण प्रशासनिक अधिकारी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने व भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में सफल होने का मंत्र दिया। कार्यक्रम में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को सोशल मिडिया का सदुपयोग करने और उसकी अधिकता से बचने का सुझाव दिया। इसके बाद उन्होंने भावनात्मक रूप से मजबूत बनने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने प्रश्नों को उनके साथ सांझा किए। डॉ. प्रवीन कुमारी सिंह ने अपने जीवन के अनुभवों द्वारा विद्यार्थियों को सफलता के रास्ते में आने वाली कठिनाइयों से लडने के लिए मार्गदर्शन किया।

निर्देश | मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर उपायुक्त के साथ गेहूं व सरसों की आवक, खरीद व लिफ्टिंग की जानकारी ली

फसलों की लिफ्टिंग में तेजी लाने के लिए रविवार को बंद रहेगी अनाज मंडियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर पानीपत के उपायुक्त डॉ वीरेंद्र दहिया के साथ गेहूं व सरसों की आवक, खरीद व लिफ्टिंग की जानकारी ली और कुछ जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने, डीसी दहिया को लिफ्टिंग के कार्य में और गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले अनुसार भंडारण के संदर्भ में भी जानकारी ली व सभी से मंडियों के संदर्भ में सुझाव भी मांगे। मुख्य सचिव ने रविवार को सभी अनाज मंडियों को बंद करने के निर्देश दिए ताकि लेफ्टिंग की प्रोब्लम ना आए। उन्होंने लिफ्टिंग प्रतिशत व कितनी खरीद हुई हैं की जानकारी भी ली। उपायुक्त डा. वीरेंद्र कुमार दहिया ने मुख्य सचिव आश्वस्त किया की लिफ्टिंग के कार्य को गति दी जा रही है। रविवार को सभी मंडियों को बंद करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। वहीं पानीपत में 12 मंडियां व खरीद सेंटर है। अगले दो दिनों में लिफ्टिंग का कार्य 60 प्रतिशत से ज्यादा हो जाएगा। अब तक मंडियों में 40 प्रतिशत लिफ्टिंग का कार्य हुआ है। लिफ्टिंग के कार्य मे तेजी लाई जा रही है। इसको लेकर आढतियों के साथ बैठक करके लिफ्टिंग की गति को और तेज करने के लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि सरसो की अब तक 4350 मीट्रिक टन खरीद हो पाई है जबकि गेहूं की अब तक की खरीद 1 लाख 53 हजार मीट्रिक टन हुई है। उपायुक्त ने बताया कि लिफ्टिंग में पानीपत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

उपायुक्त ने बताया कि अब तक 114 करोड गेंहू की व 27 करोड़ सरसों की पेमेंट की जा चुकी है। इस मौके पर एसडीएम मनदीप, एसडीएम समालखा अमित कुमार, एसडीएम इसराना ज्योति मित्तल, सीटीएम टीनू पोसवाल, डीएफएससी आदित्य कौशिक, मार्केटिंग बोर्ड डीएमईओ महावीर, हेफेड डीएम कृपाल, एएचएसडब्ल्यूसी सुमन टीए, एफ सीसीआई क्वालिटी कंट्रोल मैनेजर जयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

पानीपत। मंडियों से फसलों की लिफ्टिंग को लेकर बैठक करते हुए उपायुक्त डॉ वीरेंद्र दहिया, आदि। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

बाबा साहेब को किया नमन बच्चों को बांटी गई स्टेशनरी

बराड़ा। हरगोबिंपुरा कॉलोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में बाबा साहेब डॉ. बीआर अंबेडकर को नमन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेत्री सोनिया परोचा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जहां पर महिलाओं ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने बाबा साहब के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सड़क हादसे में महिला की गई जान

बराड़ा। गांव सुभरी के पास सडक़ दुर्घटना में एक महिला की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव जंधेडी के लक्ष्मण दास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाईक पर सवार होकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ बराड़ा में अपनी रशितेदारी में जा रहे था। जैसे ही वह गांव सुभरी के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही एक कार ने उनकी बाईक को टक्कर मार दी, टक्कर लगने से वह सब सडक़ पर जा गिरे। उसकी पत्नी सुमन के ऊपर से कार गुजर गई। जिस कारण उसकी पत्नी को काफी चोटें लगी। कार सवार मौके पर भीड़ एकत्रित देख भाग गया।

छात्रों को वोट बनवाने के लिए किया प्रेरित

बराड़ा। महाराणा प्रताप नेशनल महाविद्यालय में वोटर जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इसमें सुधीर कुमार राजकीय उच्च विद्यालय सिरसगढ़, प्रियंका शर्मा व नीरू बाला, राजकीय उच्च विद्यालय सुहाना, बूथ लेवल ऑफिसरों ने विद्यार्थियों के वोटर कार्ड बनाने की प्रक्रिया को संपन्न किया। प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने विद्यार्थियों को मतदान हेतु जागरूक करते हुए कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है।

पुलिस ने शराब सहित आरोपी किया काबू

अंबाला। थाना बराड़ा क्षेत्र से पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी रमन कुमार को शराब तस्करी के आरोप में काबू किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी शराब तस्करी का कारोबार करता है। इसी आधार पर पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू किया। तलाशी लेने पर पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 बोतल अवैध शराब जब्त की थी। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी शिवा उर्फ शिवम को काबू किया है। न्यू मॉडल कॉलोनी के रहने वाले वक्रिम ने 14 जनवरी 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके सैनेटरी स्टोर से किसी ने टोंटियों का सामान, पानी वाली मोटर, कैमरा की डीवीआर व अन्य सामान चोरी कर लिया है।

रैंप पर छात्राओं के कैटवॉक के दौरान तालियों से गूंजा कालेज परिसर

रंगारंग कार्यक्रमों में छात्राओं ने मचाई धूम एमकॉम की छात्रा शिल्पी बनी मिस कॉमर्स

मंजू को मिस पर्सेनेलिटी, अनु को मिस चार्मिंग तथा सिमरन को मिस इवनिंग का खिताब मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। खिताब जीतने वाली छात्राएं शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

विभिन्न प्रतियोगिताओं में बाजी मारने वाले छात्रों को सम्मानित करते हुए शिक्षक।

अंबाला छावनी के आर्य गर्ल्ज कॉलेज में कॉमर्स, इकनॉमिक्स व कंप्यूटर विभाग द्वारा बीकॉम तथा एमकॉम के अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य के संबोधन से हुई। उन्होंने छात्राओं को जीवन के सबसे महत्वपूर्ण चरणों की शिक्षा को पूरा करने की बधाई दी। उन्होंने छात्राओं के भविष्य के लिए सलाह देते हुए कहा कि अपनी आकांक्षाओं और उन्नति के साथ परिवार और समाज की अपेक्षाओं के बीच तालमेल बना कर जीवन जीना आपको सदैव गर्व महसूस करवाएगा। उन्होंने छात्राओं को बाहरी सुंदरता से अधिक स्वयं को भीतर से तराशने की बात पर बल दिया। इस अवसर पर तीनों विभागों द्वारा छात्राओं के लिए मनोरंजक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। भारतीय तथा पश्चिमी गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। गायन प्रेमी छात्राओं ने गीत भी गुनगुनाए। छात्राओं ने प्राध्यापिकाओं के साथ महाविद्यालय से जुड़ी अपनी यादों को भी ताजा किया। छात्राओं ने प्राचार्या तथा प्राध्यापिकाओं को उनके शिक्षा में सहयोग तथा व्यक्तित्व को आकार देने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इन छात्राओं को मिला प्रतिभा का सम्मान

इस अवसर पर एमकॉम तृतीय वर्ष से शिल्पा सैनी को मिस कॉमर्स, मंजू को मिस पर्सेनेलिटी, अनु को मिस चार्मिंग तथा सिमरन को मिस इवनिंग चुना गया। इसी श्रृंखला में बीकॉम तृतीय वर्ष से हिमांशी को मिस कॉमर्स, राक्सी गौतम को मिस चार्मिंग, जश्नप्रीत को मिस पर्सेनेलिटी, डिंपी मिस इवनिंग तथा यशिका एवं हर्षप्रीत क्यूट टेलेंटिड स्टूडेंट चुने गए।

भाषण में कशिश ने मारी बाजी, हर्ष दूसरे स्थान पर रहा

- गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित हुई कई प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर कॉलेज स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल प्रो. संजय शर्मा के मार्गदर्शन में हुई इन प्रतियोगिताओं में कार्यकारी प्रिंसिपल डॉ. देस राज बाजवा बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए। कॉलेज कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की संचालक डॉ. रजनी सैनी ने बताया कि कॉलेज लेवल प्रतियोगिता के बाद जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। प्रतियोगिताओं का लक्ष्य विद्यार्थियों को कानूनी साक्षर बनाना रहा। स्लोगन राइटिंग में दिव्या प्रथम, आयुषी द्वितीय और कीर्ति तृतीय, पीपीटी प्रदर्शन में कशिश प्रथम, धनंजय द्वितीय, रितेश कुमारी तृतीय, डॉक्यूमेंट्री में अनुराग प्रथम, ध्रुव द्वितीय स्थान, वाद-विवाद में अर्पित व कशिश का ग्रुप प्रथम, हर्ष और मोतिका का ग्रुप द्वितीय व सचिन व राहुल का ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। भाषण में कशिश प्रथम, हर्ष द्वितीय, मोतिका तृतीय स्थान, निबंध लेखन में हिमांशु प्रथम, तमन्ना द्वितीय, राशी तृतीय, पेंटिंग में नेहा प्रथम, अंजली द्वितीय, मानसी तृतीय रही। नाटक में इशा, सपना, अंशुल, प्रदीप, अनमोल, हिना, अक्षय प्रथम स्थान पर रहे। कविता पाठ में नवदिशा प्रथम, अनुराग द्वितीय व स्वाति तृतीय, प्रश्नोत्तरी में अनुराग, सचिन, ध्रुव प्रथम, हर्ष, धनंजय, मोतिका द्वितीय, गुनगुन, अरविंदर, रिया तृतीय स्थान पर रहे। इन प्रतियोगिताओ के आयोजन मे कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ के सदस्यों प्रो. उषा चहल, प्रो. अनुराधा, प्रो. प्रियंका, प्रो. सुजाता, प्रो. लकी वर्मा, प्रो. नेहा रानी आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम का सफल आयोजन रंजू त्रेहन, डॉ. अंजू बाला, सिल्वी अग्रवाल, डॉ. सुमन बाला, डॉ. अमनदीप मक्कड़, डॉ. प्रगति शर्मा, सोनाली, नेहा तथा शीनम चुघ के नेतृत्व में हुआ।

बारिश से हुए नुकसान के लिए सरकार जिम्मेदार

अंबाला। मंडी में आई गेहूं का अवलोकन करते पूर्व मंत्री निर्मल सिंह व अन्य।

- पूर्व मंत्री निर्मल सिंह ने बोला सरकार पर हमला, कहा सरकार ने मंडियों में नहीं की सुचारू खरीद,बारदाने,तिरपाल व उठान की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री निर्मल सिंह ने शनिवार को अंबाला शहर की अनाज मंडी का दौरा कर किसानों,आढ़तियों व मजदूरों से मुलाकात कर गेंहू ख़रीद में आ रही समस्याएं सुनी। निर्मल सिंह ने किसानों को आ रही समस्याओं को लेकर मौके पर ही अधिकारियों से बात की और नमी और लिफ्टिंग की समस्या से अवगत भी कराया । उन्होंने अधिकारियों को जल्द समस्या का समाधान निकालने के लिए भी बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में किसानों, आढ़तियों व मजदूरों को हमेशा ही परेशान किया गया है। सिंह ने कहा कि बारिश के चलते किसानों को हुए नुकसान के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। क्योंकि बार-बार चेतावनी के बावजूद उसने वक्त रहते मंडियों में कोई व्यवस्था नहीं की। बारिश के चलते मंडियों में किसानों की फसल भीगने पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। अब प्रदेश भर के किसानों को इस सरकारी अनदेखी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। किसानों ने निर्मल सिंह को बताया कि मंडियां अनाज से अटी पड़ी हैं क्योंकि अब तक नियमित खरीद व लिफ्टिंग की कोई व्यवस्था नहीं हुई।

मेहनत पर फिरा पानी

बारिश के चलते भारी मात्रा में 6 महीने की दिनरात मेहनत से तैयार की गई फसल खुले आसमान के नीचे भीग रही है। उन्होंने एक बार फिर सरकार से जल्द उठान, भुगतान व मंडियों में तमाम जरूरी व्यवस्थाएं करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि पोर्टल का जंजाल खत्म करके जल्दी से जल्दी फसल को खरीदा जाए ताकि किसान अगले सीजन की तैयारी करें। साथ ही बारिश की वजह से जिन किसानों को नुकसान हुआ है उनकी भरपाई सरकार द्वारा की जानी चाहिए। अनाज भीगने के चलते नमी में छूट की लिमिट को भी बढ़ाना चाहिए।

होली गांव के सरपंच पर दो राउंड फायरिंग मामूली विवाद को लेकर हुआ झगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

होली गांव क सरपंच और उसके बेटे पर दो राउंड फायरिंग हुई है। दोनों बाल बाल बच गए। गांव के ही एक युवक के साथ सरपंच का लड़ाई-झगड़ा हुआ। सरपंच का आरोप है कि हमलावर ने 2 राउंड फायर किए। आरोपी ने एक हवाई फायर किया तो दूसरी गोली उसकी तरफ चलाई। सूचना के बाद पुलि मौके पर पहुंच गई। अब सरपंच के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटना गांव होली बस अड्डे के पास की है। फायरिंग करने वाला भी सरपंच के गांव का बताया जा रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सरपंच बलविंदर सिंह ने बताया कि 5 दिन बाद घर में बेटे की शादी है। वह किसी काम से घर से बाहर निकला था। इसी बीच बुलेट बाइक पर उसके ही गांव का काला आया। उसने गाड़ी का शीशा नीचे उतरवाया। पूछा कि तूं सरपंच है ? जब उसने कहा कि हां मैं ही सरपंच हूं तो आरोपी ने कहा कि हम निकालते हैं तेरी सरपंची। सरपंच ने बताया कि उसके साथ गाली-गलौज की। जैसे ही वह मौके से भागने लगा तो उधर से उसका बेटा आ रहा था। इस बीच हमलावर ने पहले हवा में गोली चलाई।

जांच के लिए मौके पर पहुंची पुलिस

जांच के लिए पुलिस मौके पर पहुंची है। सरपंच के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। सरपंच के आरोप हैं कि उसके गांव के काला ने फायरिंग की है। पुलिस ने सरपंच के बेटे से भी पूछताछ की है। उसने भी बताया कि आरोपी ने हवाई फायर किए हैं। आसपास के लोग फायरिंग की बात से इंकार कर रहे हैं। मौके से भी पुलिस को गोली का कोई खोल जब्त नहीं हुआ है।

महात्मा हंसराज की जयंती पर हुई प्रतियोगिता

- डीएवी स्कूल परिसर में शनिवार को डीएवी संस्थापक महात्मा हंसराज की जयंती समारोह के उपलक्ष में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

अंबाला। प्रतियोगिता में हिस्सेदारी करने वाले छात्र। फोटो : हरिभूमि

डीएवी स्कूल परिसर में शनिवार को डीएवी संस्थापक महात्मा हंसराज की जयंती समारोह के उपलक्ष में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डीएवी संस्थान के जन्मदाता महात्मा हंसराज के जन्मदिवस को देश विदेश में डीएवी संस्थाएं बड़ी धूमधाम से मना रही है। स्कूल प्राचार्या सुनीता कपूर ने बच्चों को महात्मा हंसराज के जीवन के बारे में बताया गया कि किस प्रकार उन्होंने संपूर्ण जीवन समाज के लिए अर्पित किया। जयंती समारोह के अवसर पर विभिन्न कलात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने स्लोगन, पोट्रेट मेकिंग, चित्र कला, आदि विभिन्न विभिन्न कलाओं से अपनी विलक्षण प्रतिभा का प्रमाण देते हुए महात्मा हंसराज को अपने श्रद्धा सुमन अर्पण किए। कपूर ने बताया कि डीएवी संस्थाये सदैव महात्मा हंसराज की सदैव ऋणी रहेंगे जिन्होंने डीएवी जैसी संस्थाओं की स्थापना की और अपना समस्त जीवन देश के प्रति समर्पित कर दिया।

सेना का जवान लापता, एडीएम ड्यूटी के लिए आया था, घर भी नहीं पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

कैंट से सेना का जवान लापता हो गया है। जवान 25 फरवरी को ही 2 कॉर्पस में एडीएम ड्यूटी के लिए आया था। इसके बाद जवान 18 अप्रैल की सुबह सवा 6 बजे बिना बताए कहीं चला गया है। सेना ने जवान के घर पर भी संपर्क किया लेकिन वह वहां भी नहीं पहुंचा। इसके बाद अंबाला छावनी पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाली तोपखाना बाजार पुलिस चौकी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस चौकी को सौंपी शिकायत में सूबेदार मलूक सिंह ने बताया कि वह गांव तेबड़ी जिला गुरदासपुर (पंजाब) हाल यूनिट 193 मध्यम रेजिमेंट फरीदकोट कैंट का रहने वाला है। उनकी पोस्टिंग 2 कॉर्पस कैंप अंबाला कैंट में है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 25 फरवरी 2024 को गांव कलोवाल जिला होशियारपुर का सिपाही डिंपल दीप सिंह भी 2 कॉर्पस में एडीएम ड्यूटी के लिए आया था। डिंपल दीप सिंह 18 अप्रैल की सुबह सवा 6 बजे कैंप से बिना बताए कहीं चला गया। उन्होंने डिंपल के घर पूछा तो पता चला कि वो वहां भी नहीं पहुंचा। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करके आगामी जांच शुरू कर दी है। जांच कर रहे एएसआई चांदी राम कर रहे हैं।

चुनाव पर नारा लेखन में दिखाया हुनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। नारा लेखन के दौरान मौजूद छात्र व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज केंद्र सरकार के मार्गदर्शन के तहत चुनाव पर नारा लेखन का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को लोकतंत्र के महत्व के प्रति जागरूक किया गया ।कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सीमा कंसल ने बताया की चुनाव पर नारा लेखन का आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम है ,जो कि छात्रों को लोकतंत्र के महत्व को समझने और उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी की भावना विकसित करने में निश्चित तौर पर मदद करेगा ।इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को चुनावी माहौल में विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया गया है जिससे उन्हे देश के भविष्य में भागीदार बनने की प्रेरणा भी मिलेगी। साथ ही इस आयोजन से छात्रों को चुनावी प्रक्रिया में सही तरीके से भागीदारी करने के लिए तैयार किया जाता है जो की एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी गण मौजूद रहे।

बराड़ा। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

निंबध लेखन में वरूण ने बाजी मारी

बराड़ा। एमपीएन कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ ने कानूनी साक्षरता विषय पर कॉलेज स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई। प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को कानूनी रूप से जागरूक होने की आवश्यकता है अगर प्रत्येक विद्यार्थी कानूनी रूप से जागरूक होगा तो उसका कभी भी शोषण नहीं हो सकता। इस प्रतियोगिता में कल 18 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में वरुण पहले, विकास दूसरे व किट्टू तीसरे स्थान पर रहे। अंत में विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अगले दो दिनों में अनाजमंडियों में होगा गेहूं का 50 फीसदी उठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

प्रदेश के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने शनिवार को वीसी के माध्यम से उपायुक्तों से जिले में चल रही गेहूं खरीद कार्यो की समीक्षा करते हुए उठान से सम्बधिंत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगले दो दिनों में मंडी में गेहूं की आवक का 50 प्रतिशत उठान करवाना सुनिश्चत करें, ताकि मंडियों में किसी भी प्रकार से समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी एजेंसियां गेहूं खरीद का कार्य कर रही हैं वह अपने-अपने गोदामों में गेहूं का उठान करवाना सुनिश्चित करें। अगले 24 घंटे ये गोदाम खुले रहेंगे। इसके साथ-साथ जहां गेहूं खरीद का कार्य समयबद्ध तरीके से होना चाहिए उसी प्रकार किसानों को उनकी फसलों की अदायगी भी निर्धारित समय अवधि के तहत होनी चाहिए। उन्होंने बैठक के दौरान हर जिले में गेहूं की स्थिति की जानकारी ली। उपायुक्त डॉ. शालीन ने मुख्य सचिव को अवगत करवाया कि जिले की सभी मंडियों में गेहूं खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है। बीते कल तक सवा लाख क्विंटल गेहूं की आवक हो चूकी है। 30 प्रतिशत उठान हो चुका है। अगले दो दिनों में 20 हजार क्विंटल गेहूं का उठान कर लिया जाएगा। मंडियों में उठान की वजह से किसी तरह की समस्या नहीं होगी। बैठक में डीएफएससी जितेश गोयल, डीएमईओ राजीव चौधरी, डीएम हैफेड अमित कुमार के साथ-साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

स्कूल का डीईओ ने किया औचक निरीक्षण

बराड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुलियाना का डीईओ सुरेश कुमार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल में चल रही विभागीय योजनाओं की जानकारी ली। अपने निरीक्षण दौरान उन्होंने कक्षा-कक्ष अवलोकन, बॉयोमैट्रिक हाजरी, उल्लास कार्यक्र म, ड्रॉप आऊट दर घटाने, दाखिला करवाने, बच्चों के हाजिरी रजिस्टर, मिड डे मील योजना व अन्य कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्कूलों को बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन व ड्ाॅप ऑउट दर शून्य करने पर फोकस कर कार्य करना है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों को मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं करनी चाहिए। इस मौके पर सब स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेने से होता है शारीरिक विकास

वॉलीबाल प्रतियोगिता पर रेड हाउस का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। खेल से पूर्व खिलाडियों का हौसला बढ़ाते हुए प्रिंसिपल। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को शैमफॉर्ड स्कूल के प्रांगण में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया ।इनमें विद्यालय में आए नए बच्चों के लिए एक फ्रेशर पार्टी, विषयगत सभा व इंटर हाउस वॉलीबॉल प्रतियोगिता सम्मिलित थी। सबसे पहले कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं ने विषयगत सभा के द्वारा वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य दिवस के लिए सभी को जागरूक करने का प्रयास किया गया। दूसरी और नौवीं से 12 वीं कक्षा के छात्रों के बीच इंटर हाउस वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में रेड हाउस ने प्रथम, ग्रीन हाउस ने द्वितीय व ब्ल्यू हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कलाकृति हॉल में फ्रेशर पार्टी में नए बच्चों ने अपने नृत्य व कविताओं के द्वारा सब का मन मोह लिया। नए बच्चों का बड़े ही रोमांचपूर्ण ढंग से स्वागत किया गया उन सभी के लिए सुंदर-सुंदर कार्ड बनाए गए थे तथा उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई थी। अंत में प्रधानाचार्या रूबी शर्मा , उप प्रधानाचार्या सुमन शर्मा व मुख्य अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह के द्वारा सभी नए बच्चों को आगे बढऩे के लिए प्रोत्साहित किया गया।

भाषण प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना महिला कॉलेज परिसर में विधिक अधिकार विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि विधिक अज्ञान के चलते व्यक्ति कानून से भय खाता है और उससे दूर भागता है। विधिक जानकारी के अभाव में व्यक्ति अनजाने में कानून के विपरीत आचरण कर सकता है या कानून से सहायता प्राप्त करने में अक्षम होता है। विधिक रूप से निरक्षर व्यक्ति अपने विधिक अधिकारों का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाता इस लिये विधिक साक्षरता कानून से सम्बन्धित इतनी क्षमता से है जो किसी कानूनी समाज में अर्थपूर्ण जीवन जीने के लिए जरूरी हो। डॉ. साधना ने मंच का सफल संचालन करते हुए विधिक संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां छात्राओं के साथ सांझी की। इसमें प्रथम स्थान अनमोल प्रीत, द्वितीय स्थान पर लवलीन कौर और तृतीय स्थान पर जसलीन व वर्ष रही।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 21 अप्रैल 2024

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है
हमारी पृथ्वी

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

{ मोटिवेशन / अतुल मलिकराम }

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

{ कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत }

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

{ कहानी / यशोधरा भटनागर }

एलबम

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

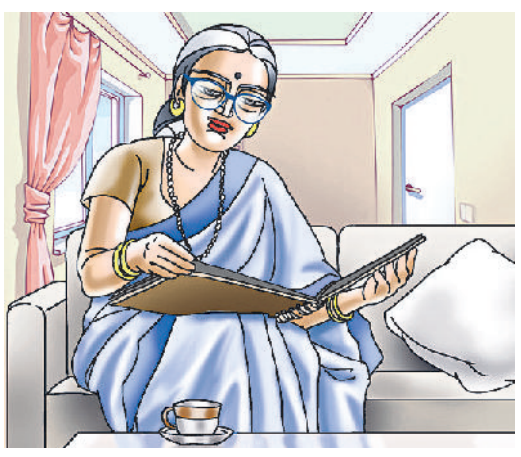

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए,
प्रकाशकः राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

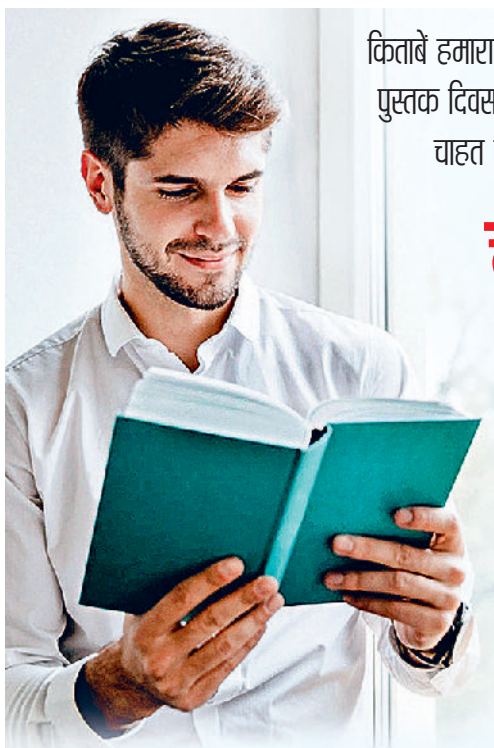

किताबें हमारा सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं, हमें ज्ञान नहीं देतीं बल्कि बेहतर मनुष्य होना भी सिखाती हैं। इसीलिए विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लेकिन बीते कुछ दशकों से देश-दुनिया में लोग किताबों से दूर होते जा रहे हैं, पढ़ने की चाहत घटती जा रही है। इसकी क्या हैं वजहें, इसके दुष्परिणामों के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

चलिए फिर से कर लें किताबों से दोस्ती

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

लाइफस्टाइल / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

अब से तीन दशक पहले सन 1995 में पेरिस में यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 23 अप्रैल 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इसके पीछे का उद्देश्य ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता के बारे में दुनिया को बताना था। अपने देश की बात करें, तो पिछली सदी में नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। पुस्तकें हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखती थीं। लेकिन हाल के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि निरंतर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होती अध्ययनशीलता, चौंकाने वाली सच्चाई है।

इसलिए बढ़ रही किताबों से दूरी

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में ही होता है। लेकिन बाजारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ 'शानदार करियर के लिए संघर्ष' में सिमट गया है। इस वजह से बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों में रमना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वाभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह 'अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की दीवानी हो रही है।

किताबों का प्रभाव

वैसे इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल माध्यम की महत्ता से इंकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन इनकी एक सीमा है। यह विषय के बाहरी रूप से तो परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतना ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानियों का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं होती हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। दृश्य माध्यम व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था और स्वहित के लिए कुछ भी करने की प्रवृत्ति इसी की देन है।

विकसित हो रही दुष्प्रवृत्तियां

बच्चे, किशोर और युवा वर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दिखने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृतियों की हैरतअंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है। देश में विगत वर्षों में पुस्तक दिवस पर बुक स्टॉलों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखती। फ्रेंडशिप-डे, वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और खरीददारी की ललक दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने!

फिर लौटें किताबों की ओर

पाठक और पठित सामग्री की एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहां तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें उपयोगी पोषक तत्वों जैसा काम करती हैं। संभवतः इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं, जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने का उपक्रम है, 'विश्व पुस्तक दिवस।' मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाजार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुचि के संदर्भ में अकसर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने या दोस्तों के साथ फास्ट फूड पार्टी में हजारों रुपए खर्च करने वालों को चार-पांच सौ रुपए की किताबें क्यों महंगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला महंगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम महंगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना मुकाम प्राप्त कर लेंगी। *

ऐसे पड़ी पुस्तक दिवस की नींव

पश्चिमी देशों में पुस्तकें पढ़ने का चलन पिछली सदी में काफी पहले से कम होने लगा था। वहां नवें दशक तक आते-आते युवा वर्ग के व्यवहार में कई तरह के नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था। सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कंप्यूटर खेलों और छोटे पर्दे के साथ अपना समय निकाल देते हैं, वे संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर हो जाते हैं। एक तरफ युवा वर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को संभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के बाद विलियम शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेंटाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

सीख लें कुछ नया संवर उठेगा जीवन

अनेक अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि नई-नई स्किल सीखने से जीवन में नयापन, सकारात्मकता आती है और सफलता की नई राह खुलती है। 21 अप्रैल विश्व नवाचार और रचनात्मकता दिवस पर हम बता रहे हैं, नई स्किल सीखने के फायदे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

अंजू जैन

नयापन हर किसी को भाता है। इसकी वजह है कि हम सब दैनिक उपयोग की पुरानी चीजों, पुराने कपड़ों, पुराने फैशन और पुराने रूटीन से कई बार ऊब जाते हैं और जिंदगी में कुछ नयापन चाहते हैं। नवाचार और रचनात्मकता हमें उत्साह और ऊर्जा तो देती ही है, हमें इनसे आंतरिक खुशी, आत्मविश्वास और जीवन में नई सफलताएं भी मिलती हैं। आप भी चाहें तो कोई नई स्किल सीखकर जिंदगी में नई ताजगी ला सकते हैं, नई राह खोल सकते हैं।

वाद्य यंत्र बजाना

दुनिया में कई शोध हो चुके हैं, जिनके नतीजे बताते हैं कि वाद्य यंत्र बजाने से मनोरंजन के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, वाद्य यंत्र सुनने से ही नहीं बजाने से भी मन को सुकून मिलता है। इससे अवसाद, तनाव और उदासी से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही जो विद्यार्थी वाद्य यंत्र बजाते हैं या सुनते हैं उनकी मेमोरी शार्प होती है और पढ़ाई-लिखाई में एकाग्रता भी बढ़ती है।

नई भाषा सीखना

आज दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है। इंटरनेट के जरिए या फिर वास्तविक रूप में भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक हमारी पहुंच आसान हो चुकी है। हम विदेशों में अपने दोस्त बना रहे हैं, पर्यटन करने या पढ़ने के लिए विदेश जा रहे हैं और विदेश से व्यापार भी खूब हो रहा है। ऐसे में विदेशी भाषा सीखना बेहद फायदेमंद होगा। मनोविज्ञानियों का कहना है कि एक से ज्यादा भाषा सीखने वालों की बौद्धिक क्षमता, याददाश्त और एकाग्रता का स्तर बढ़ जाता है। साथ ही यह एक अतिरिक्त योग्यता भी होगी और विदेश में स्टडी या जॉब भी आसान बनाएगी।

स्पीड रीडिंग

हो सकता है, आप सोच रहे हों कि रीडिंग भी भला सीखने की चीज है? लेकिन स्पीड रीडिंग वाकई एक उपयोगी स्किल है। इसमें आप जल्दी-जल्दी पढ़ना और पढ़े हुए को आत्मसात करना सीखते हैं। इससे आपका समय बचता है और आप कम समय में ज्यादा पढ़ सकते हैं। जाहिर है, इससे छात्रों को स्टडी में काफी फायदा होगा। इस कला में आप किसी लेख, कहानी या टेक्स्ट के बिंदु बनाने और उसे संक्षेप में लिखकर या चंद वाक्यांशों में लिखकर याद करने की कला भी सीख सकते हैं।

आर्ट ऑफ जगलिंग

आपने किसी सर्कस या टीवी शो में जोकर को एक साथ कई गेंदों को ऊपर उछाल कर दोनों हाथों से एक-एक कर पकड़ना और फिर से उछालने का कमाल देखा होगा। यह कला जगलिंग कहलाती है। जगलिंग सीखने और इसका अभ्यास करने से बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता बढ़ती है।

कुकिंग आर्ट

उम्र का बंधन किसी भी स्किल को सीखने के लिए नहीं होता है। आज की तारीख में दुनिया में कई बुजुर्ग ही नहीं बच्चे भी लजीज व्यंजन न सिर्फ पका रहे हैं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिखाकर सेलिब्रिटी शेफ जैसा दर्जा पा चुके हैं। हेल्दी और सेफ कुकिंग एक कला है, जो आपको डिसिप्लींड और ऑर्गेनाइज्ड रहना सिखाती है। साथ ही आपको टीमवर्क, माइंडफुलनेस प्लानिंग और हेल्थ कॉन्शस होना भी सिखाती है।

डिजिटल स्किल

दुनिया पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। कम्युनिकेशन, पढ़ाई, लिखाई, काम-काज, पेमेंट लेना या देना या शॉपिंग लगभग सब कुछ डिजिटल हो चुका है। जाहिर है, आज की दुनिया में आपको एक समझदार और सजग नागरिक बनना हो या करियर की राह पर सफल होना हो तो आपकी डिजिटल स्किल का लेवल बढ़िया होना चाहिए। संभव हो तो आपको कोडिंग भी सीखनी चाहिए। इससे आपकी टेक्नोलॉजी की समझ बढ़ेगी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल भी इंप्रूव होगी। *

बहुत मुश्किल नहीं डर को हराना

किसी न किसी चीज या स्थिति से डर तो सबको लगता है। लेकिन कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों से अपने डर को हराया जा सकता है। यकीन मानिए, ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है।

साइकोलॉजी / विवेक कुमार

डर कितना ही बड़ा क्यों न हो, उस पर जीत पाई जा सकती है, बस उसके लिए हमें कुछ मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों से गुजरना होता है। वैसे डर को लेकर समाज में बहुत गलत धारणाएं फैली हुई हैं। आमतौर पर लोगों का मनोविज्ञान यह है कि डरपोक लोगों को डर ज्यादा लगता है और बहादुर लोग डरते नहीं। यह सही बात नहीं है। डर एक जन्मजात और शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसका हमारे हिम्मती या गैरहिम्मती होने से कोई लेना-देना नहीं होता बल्कि अगर कोई व्यक्ति डरता है तो इसका मतलब यह है कि उसके शरीर में स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो रही है। लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, डर की भी एक सीमा होती है। अगर डर उस सीमा के आगे बढ़ जाए तो वह डर नहीं रहता। इसलिए सीमा से आगे बढ़ा हुआ डर नुकसानदायक होता है और उसके निवारण की जरूरत होती है।

संभव है डर से छुटकाराः जब भी डर के बारे में सोचें तो यह मानकर चलें कि डर कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, उससे छुटकारा पाना संभव है। हम सब बचपन में अंधेरे से डरते हैं, कॉकरोच से या छिपकली से डरते हैं। ऊंचाई से भी डरते हैं और ये सिर्फ बच्चों की बात नहीं है, बड़े होने पर भी बहुत लोग इन सब चीजों से डरते हैं। लेकिन अगर इन सभी चीजों को धीरे-धीरे प्रैक्टिस से समझें तो डर दूर हो जाता है। दरअसल, डर से हमारी मुलाकात जन्म लेते ही हो जाती है। पैदा होने के बाद से ही किसी भी शिशु में असुरक्षा की भावना आ जाती है। भूख लगने पर वह जोर-जोर से रोने लगता है। रोना दरअसल, उसकी असुरक्षा की अभिव्यक्ति है। इसलिए जब भी उसे भूख लगती है, वह रोने लगता है। लेकिन पेट भरा होने पर नहीं रोता। ऐसे ही बिस्तर गीला हो जाने पर भी रोता है, लेकिन गीले बिस्तर से मां उठा ले तो वह चुप हो जाता है। यानी, हम जैसे ही अपने सुरक्षातंत्र में पहुंच जाते हैं, भय खत्म हो जाता है।

ऐसे मिलेगी भय से मुक्तिः किसी भी डर से छुटकारा वैज्ञानिक तरीके की परवरिश से ही मिलती है। जैसे हम अंधेरे में डरते और अंधेर में उजाला हो जाए तो डर दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह हमारा कमजोर दिल-दिमाग जिन सवालों के जवाब नहीं ढूढ़ पाता है, उससे हमें डर लगता है। इसमें मां-बाप की भी भूमिका होती है। अकसर मां-बाप छोटे बच्चों को शरारत न करने के लिए छोटी-छोटी बातों से डराते रहते हैं। जैसे-बाबा आएगा और झोली में डालकर ले जाएगा। छोटे बच्चे इस वजह से किसी भी अंजान व्यक्ति को देखते ही डर जाते हैं। लेकिन बड़े होने पर पता चलता है कि उनका डर बेबुनियाद था। इसलिए बच्चों की परवरिश में ऐसी झूठी बातों के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

अधिकांश होता है भविष्य का डर : डर आमतौर पर भविष्य से जुड़ा होता है। मैं लिफ्ट में जाऊंगा तो कहीं फंस ना जाऊं। मैं मीटिंग में सबके सामने बोलूंगा तो कहीं गलती तो नहीं हो जाएगी, लोग मुझ पर हंसेंगे तो नहीं। ये ऐसे डर हैं, जो आमतौर पर हम सबको लगते हैं और हम इनके बारे में सोच-सोचकर डरते रहते हैं। अगर हमारे मन में किसी तरह के संक्रमण की आशंका बैठ जाए, तो एक छींक आते ही हम बहुत डर जाते हैं, लगता है हमें इस संक्रमण ने जकड़ लिया। इंटरव्यू देने जाते वक्त हम इसलिए डर जाते हैं कि हमारे मन में ऐसे सवालों की चेन चलती रहती है, जो सवाल अभी तक हमसे न तो पूछ गए हैं और हो सकता कभी न पूछे जाएं। खुद ही हम इंटरव्यू देने जाने के समय डर जाते हैं। हम या तो बिना किसी वजह के डरते हैं या राई का पहाड़ बना लेते हैं। अगर हमारे मन में यह भाव मजबूती से बैठा हो कि जब कोई बात सामने आएगी, तब देखी जाएगी, तो हमें भविष्य से कभी डर ही नहीं लगेगा।

डर की कल्पना से बचें: मन बहुत कल्पनाशील होता है, इसलिए मामूली चीजें भी कई बार बहुत बड़ी समस्या बन जाती हैं। खतरा न होते हुए भी खतरे की घंटी सुनाई पड़ने लगती है। तभी तो मन रस्सी को कल्पना करते ही सांप समझ लेता है। दूसरी तरफ जो कल्पना से नहीं डरता, जिसमें डरावनी भावनाएं नहीं होतीं वो डरावनी परिस्थिति का भी जमकर मुकाबला करता है। मतलब यह कि डर जितना होता है, उससे कहीं ज्यादा हमारी कल्पना से बढ़ जाता है। इसलिए डर की कल्पना से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

अपने दौर की स्टार हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि, शादी बाद अमेरिका में सेटल हो गई थीं। वह सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं, फिर से फिल्मों में काम करेंगी। मीनाक्षी अब किस तरह के रोल करना चाहेंगी? फिल्म इंडस्ट्री में वह क्या बदलाव देख रही हैं? क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम करना पसंद करेंगी? मीनाक्षी शेषाद्रि से बहुत खुलकर बातचीत।

मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे : मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि ने मनोज कुमार निर्मित फिल्म 'पेंटर बाबू' से 1983 में फिल्मों में कदम रखा था। उसी वर्ष मीनाक्षी की जैकी श्रॉफ के साथ निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने मीनाक्षी और जैकी को रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद मीनाक्षी ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, ऋषि कपूर, गोविंदा, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नामी स्टार्स के साथ काम किया। 1995 में मीनाक्षी ने इंवेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूरे के साथ विवाह कर लिया और उनके साथ अमेरिका में सेटल हो गईं। सत्ताइस वर्षों बाद वह भारत लौटी हैं। उन्होंने एक फिल्म साइन की है। पेश है मीनाक्षी शेषाद्रि से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी शुरुआती दो फिल्मों ने रिलीज के चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। विवाह के बाद आप अमेरिका में सेटल हुईं। आपकी बॉलीवुड में वापसी पूरे सत्ताइस वर्षों के बाद हो रही है। अपने कमबैक को लेकर आप क्या कहेंगी?

हां, 'पेंटर बाबू' और 'हीरो' मेरी ये दोनों फिल्में 1983 में रिलीज हुई थीं। इनके चार दशक पूरे होने की मुझे बहुत खुशी है। फिल्म 'हीरो' ने मुझे स्टारडम दिलाया। फिल्म 'पेंटर बाबू' मुझ जैसी न्यूकमर को लाइमलाइट में लाई। इसके बाद राजकुमार संतोषी जी की 1993 में फिल्म 'दामिनी' रिलीज हुई थी, उसके बाद 1996 में 'घातक' रिलीज हुई। मेरे करियर की ये आखिरी दो फिल्में थीं। 1995 में मेरी शादी हुई फिर मैं अपने वैवाहिक जीवन में बिजी हो गई। बेटी केंद्रा, जो इस वक्त पचीस वर्ष की है, पढ़-लिखकर जॉब कर रही है। बेटा जोश इक्कीस वर्ष का है। उसने अपनी पढ़ाई अभी-अभी पूरी की है। कुल मिलाकर एक मां, एक पत्नी और गृहिणी के रूप में मैंने अपना दायित्व संतोषजनक ढंग से निभाया। जब मैं विवाह के बाद अमेरिका गई तो यह बात मेरे जेहन में हमेशा रही कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर मैं अपने देश लौटकर अभिनय करना चाहूंगी। अभिनय मेरा पैशन है। यह पैशन अब पूरा करना चाहूंगी। हालांकि अपने परिवार को अमेरिका छोड़कर भारत आने का डिसीजन मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह बहुत बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मुंबई आई हूं तो परिवार को बेहद मिस भी करती हूं। देर रात मैं अपने बच्चों और परिवार से बात करती हूं।

अब आप फिल्मों में किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मैं किस तरह के किरदार निभाना चाहूंगी, यह अभी तय नहीं किया है। मैंने एक प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, उसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। बहुत जल्द इसकी अनाउंसमेंट होगी। अब फिल्म इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार भी बहुत बदल चुके हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे। मुझे अहसास हो कि मेरा कमबैक खास है, फ्रूटफुल है। मैंने यहां काम करने के लिए खुद को सरेंडर कर दिया है। अभी तो मैं कोरी स्लेट हूं। देखते हैं, फिल्म मेकर्स मुझे किस तरह के किरदार ऑफर करते हैं। आज की एक्ट्रेसेस फिल्मों में महज शो पीस नहीं बनतीं, उनके लिए स्ट्रॉन्ग रोल लिखे जाते हैं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म।

आप सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं। इंडस्ट्री में आप किन बदलावों को महसूस कर रही हैं?

सबसे बड़ा और सुखद बदलाव सेट पर वैनिटी वैन का मौजूद होना है। मेरे दौर में वैनिटी वैन नहीं होती थी। धूप, धूल में शूटिंग के बाद ड्रेस चेंज करने की कोई प्रॉपर जगह नहीं रहती थी। बड़े नामी स्टूडियोज के मेकअप रूम गंदे रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दौर की अभिनेत्रियों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है वैनिटी वैन। स्टार के पेमेंट का स्तर भी बढ़ा है। इस तरह फिल्म इंडस्ट्री का पूरा ढांचा ही बदल गया है।

ओटीटी इस वक्त फिल्मों के लिए टफ कॉम्पिटिशन बन चुका है। आप कितनी तैयार हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए, जहां नेगेटिव रोल और स्टोरीज ट्रेंडिंग हैं?

आय एम हियर टू सरप्राइज एवरीवन! मैं नेगेटिव रोल करूंगी या नहीं, यह तो रोल पर डिपेंड करेगा, अभी से कैसे बताऊं? पॉजिटिव, नेगेटिव का कॉम्बिनेशन कर सकती हूं। ग्रे शेड्स वाले रोल भी सोच सकती हूं।

आपने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, उनके साथ आपके फिल्म करने के एक्सपीरियंस कैसे रहे?

हर एक्टर के साथ मेमोरीज शेयर करने के लिए शायद एक इंटरव्यू कम पड़ जाएगा। हां, जिनके साथ मेरी बहुत बनी, वो थे विनोद खन्ना। जब वह शिखर पर थे, सब कुछ छोड़कर आचार्य रजनीश के आश्रम में चले गए, कुछ वक्त बाद वो वापस भी आए। इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया। उनकी वापसी के समय मुझे उनके साथ पांच-छह फिल्में करने का मौका मिला। रजनीश आश्रम से लौटे विनोद जी के पास इतना आध्यात्मिक ज्ञान हो चुका था कि उनसे बातचीत करना एक ग्रेट एक्सपीरियंस होता था। जब मेरी शूटिंग विनोद जी के साथ होती थी। मेरे पापा भी मेरे साथ आते थे, खासतौर पर उनकी आध्यात्मिक बातें सुनने। विनोद जी, मैं और पापा घंटों बतियाते थे। उनसे हमारी बहुत अच्छी मित्रता थी। गोविंदा, इंडस्ट्री के वो सितारे हैं, जो वर्सेटाइल हैं। उनसे भी हमारा बहुत प्यारा रिश्ता रहा। ऋषि कपूर जी के साथ भी मैंने पांच फिल्में कीं। वह बहुत दिलचस्प इंसान और कमाल के एक्टर थे। आज जब मैं रणबीर को देखती हूं, मुझे लगता है उनमें अपने पिता की पूरी झलक है, लेकिन पिता पुत्र में तुलना नहीं होनी चाहिए। *

भारत और अमेरिका की लिविंग स्टाइल में अंतर

यूएसए की लिविंग स्टाइल चकाचौंध भरी है। डॉलर्स में मिलने वाली सैलरी से वहां के लोगों का स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई है। वहां की लेडीज काफी फैशनेबल हैं। लगता है मानो अभी-अभी ब्यूटी पार्लर-सैलून से निकली हों। फैशन, हाई स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ वहां एक कॉमन बात है। हां, अमेरिका में रहने का मेरे लिए फायदा यह रहा कि मैंने वहां काफी कुछ जाना-सीखा, जो मैं भारत में नहीं कर पाई थी। यहां तो मैंने फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम किया, जहां मेकअप, हेयर स्टाइल, डांस सिखाने के लिए सेट पर लोग होते हैं। कोई सीन कैसे किया जाए, यह बताने वाला डायरेक्टर होता है। घर पर मां-पिताजी होते हैं, जिस वजह से मैं पैंपर्ड होती रही। अमेरिका में जाने के बाद अपने परिवार के लिए खाना बनाना, ड्राइविंग सीखना, अपने फाइनेंस को मैनेज करना, ये सारे काम मैंने सीखे, जो वहां के लिए जरूरी थे। मैंने वहां स्विमिंग सीखी, जो फिटनेस के लिए थेरैपी बनी, पर्सनली मेरी ग्रोथ हुई। इस तरह वहां की रूटीन लाइफ ने मुझे इंडिपेंडेंट और बहुत स्मार्ट बनाया। भारत में होती तो शायद ये सब काम नहीं सीख पाती। एक बात की कमी मैंने वहां बहुत महसूस की, वह है अपनापन। हम सबकी मदद करें, यह अपने देश की सभ्यता-संस्कृति का हिस्सा है। भारत के लोग बिना मांगे दूसरे की मदद करते हैं। अमेरिका में किसी की मदद करने का कल्चर नहीं है। यहां तक कि वहां अपने किसी दोस्त के घर जाना है तो पहले उसकी भी अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। यह सोचना पड़ता है कि कहीं उनकी प्राइवेसी में हम कोई दखलअंदाजी तो नहीं कर रहे हैं। मैं भारत में अपनी किसी भी सहेली के घर कभी भी जा सकती हूं। हक के साथ कह सकती हूं, 'चल, यार एक कप चाय पिला।' मैं अमेरिका में इंडियन लाइफस्टाइल, यहां की खुशमिजाजी, मददगार लोग बहुत मिस करती हूं।